संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 44
पृष्ठ 8
शनिवार
01 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बाल तोड़ः दिखने में मामूली लेकिन असर...

विचार- देश के लिए शर्मिंदगी है ट्रंप का बयान

खेल- एक मैच, जिसने बदला महिला क्रिकेट...

जो अंग्रेज न कर पाए, कांग्रेस ने कर दिखाया, विपक्ष पर पीएम मोदी का तीखा वार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय एकता परेड समाप्त होते ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परेड स्थल तक पैदल गए और सभी उपस्थित लोगों का उत्साहपूर्वक अभिवादन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन में योगदान देने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि उसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से ''गुलाम मानसिकता'' अपनाई और इस बात पर ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम के विभाजन को समाप्त किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को न केवल अंग्रेजों से अपनी पार्टी और सत्ता विरासत में मिली, बल्कि उसने गुलामी की मानसिकता को भी आत्मसात कर लिया। कुछ ही दिनों में वंदे मातरम अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाएगा।

1905 में जब अंग्रेजों ने बंगाल का विभाजन किया, तो वंदे मातरम विरोध में हर नागरिक की आवाज बन गया। वंदे मातरम देश की एकता और एकजुटता की आवाज बन गया। अंग्रेजों ने वंदे मातरम के जाप पर प्रतिबंध लगाने की भी कोशिश की। नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंग्रेज कभी सफल नहीं हुए। वंदे मातरम का जाप भारत के हर कोने में गूंजता रहा। लेकिन जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह कांग्रेस ने कर दिखाया। कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम के एक हिस्से को हटा दिया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने समाज को बांटा और अंग्रेजों के एजेंडे को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जिस दिन कांग्रेस ने वंदे मातरम को तोड़ने, काटने और विभाजित करने का फैसला किया, उसी दिन भारत के विभाजन की नींव रख दी गई। अगर कांग्रेस ने वह पाप न किया होता, तो आज भारत की तस्वीर कुछ और होती। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर साझा किया, केवड़िया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह प्रतिमा सरदार पटेल और भारत की एकता व शक्ति के प्रति उनके दृष्टिकोण को एक यादगार श्रद्धांजलि है। दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा के रूप में खड़ी यह प्रतिमा राष्ट्रीय गौरव और सरदार पटेल के सपनों को पूरा करने के सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। इससे पहले शुक्रवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में विचारधारा, शासन और नियति को आकार देने में सरदार पटेल के योगदान को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विजुअल पोस्ट साझा किया, जिसमें उनकी दूरदर्शिता और जनसेवा की विरासत को याद किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारत सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है। वे भारत के एकीकरण के पीछे प्रेरक शक्ति थे, जिसने हमारे राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में इसके भाग्य को आकार दिया। राष्ट्रीय अखंडता, सुशासन और जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। हम एकजुट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के उनके दृष्टिकोण को बनाए रखने के अपने सामूहिक संकल्प की भी पुष्टि करते हैं।

सीवान में योगी का महागठबंधन पर तीखा वार, बोले-

राजद-कांग्रेस लाएंगे माफिया राज!

सीवान, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और कहा कि अगर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस बिहार में सत्ता में आए तो राज्य में माफिया राज वापस ला देंगे। आदित्यनाथ ने यह टिप्पणी बिहार के सीवान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार मंगल पांडे के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बिहार में पहचान का संकट पैदा किया, जिन्होंने सिवान के लोगों को डर के साये में जीने पर मजबूर किया, हम उन्हें बिहार की सत्ता में नहीं आने देंगे। यह पहचान की लड़ाई है और बिहार में स्वर्णिम युग को पुनः स्थापित करने की लड़ाई है। भारत तभी विकसित होगा जब बिहार विकसित होगा। आदित्यनाथ ने राजद और कांग्रेस की तुलना उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी (सपा) से की और कहा कि इंडिया ब्लॉक के सहयोगी बिहार में माफिया के सहयोगी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे माफिया उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सहयोगी हैं, वैसे ही वे बिहार में राजद और कांग्रेस के सहयोगी हैं।ष महागठबंधन पर अपना हमला जारी रखते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि राजद के 15 साल के शासन के दौरान बिहार में पूरी तरह अराजकता थी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने बिहार के युवाओं के लिए पहचान का संकट पैदा कर दिया था और चारा घोटाले को लेकर राजद पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की उत्तराधिकारी होने के नाते, कांग्रेस ने बिहार के लोगों के सामने संकट पैदा किया है और इसके विकास में बाधा डाली है – एक ऐसी स्थिति जिसे राजद ने और बदतर बना दिया है। उन्होंने आगे कहा, 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का नेतृत्व करना शुरू किया।

आतंकी साज़िश का खुलासा! राजस्थान से 3 मौलवी गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय संगठन से जुड़े होने का शक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने शुक्रवार सुबह राजस्थान में छापेमारी की। इस दौरान दो ज़िलों से तीन संदिग्ध आतंकवादियों को हिरासत में लिया गया। तीनों आरोपी मौलवी बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, उनके किसी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन से जुड़े होने का संदेह है। राजस्थान में कथित आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में शनिवार को तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो संदिग्धों को जोधपुर में और एक को जैसलमेर में पकड़ा गया है। राजस्थान एटीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, आतंकवादी संगठनों से जुड़े संदिग्धों को पकड़ने के लिए आज जोधपुर संभाग में कई जगहों पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि छापेमारी जारी है। एनआईए–एटीएस ने जोधपुर के चोखा स्थित अरबिया मदरसे से एक मौलवी को हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्ति का नाम अयूब बताया जा रहा है। जोधपुर से लगभग 60 किलोमीटर दूर पीपाड़ से भी एक संदिग्ध को पकड़ा गया है। उनके पास से कई दस्तावेज़ ज़ब्त किए गए हैं, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। टीमों ने जैसलमेर से एक मौलवी को भी आतंकी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीपाड़ और जैसलमेर से गिरफ्तार मौलवियों के नाम उस्मान और मसूद बताए जा रहे हैं।

शिवसेना नेता संजय राउत की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत की शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। नेता ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए अपने समर्थकों को अपनी बीमारी की जानकारी दी और बताया कि उनकी हालत अचानक बिगड़ गई है और उनका इलाज चल रहा है। राउत ने अपने संदेश में लिखा, आपने हमेशा मुझ पर प्यार और विश्वास दिखाया है, लेकिन अचानक मेरी तबीयत बिगड़ गई है। मेरा इलाज चल रहा है और मुझे विश्वास है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊँगा। चिकित्सीय सलाह के अनुसार, राउत को फिलहाल यात्रा करने और भीड़–भाड़ वाली जगहों से दूर रहने की सलाह दी गई है। अपने स्वास्थ्य में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा, ष्मुझे विश्वास है कि मैं जल्द ही स्वस्थ हो जाऊँगा और नए साल में आप सभी से मिलूँगा। आपका प्यार और आशीर्वाद मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

मोहम्मद अजहरुद्दीन तेलंगाना मंत्रिमंडल में हुए शामिल

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना मंत्रिमंडल के शुक्रवार को हुए विस्तार में पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद अजहरुद्दीन को शामिल किया गया। राज भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को राज्यपाल जीश्नु देव वर्मा ने उन्हें राज्य मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कई अन्य कैबिनेट मंत्री भी इस मौके पर मौजूद थे। श्री अजहरुद्दीन रेवंत रेड्डी मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक समुदाय के पहले मंत्री होंगे। तेलंगाना में लगभग 21 महीने पुराने रेवंत रेड्डी मंत्रिमंडल का यह दूसरा विस्तार है। इस मंत्रिमंडल विस्तार के साथ, मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या 16 हो गयी है। तेलंगाना विधानसभा में 119 विधायक हैं। श्री अजहरुद्दीन को अभी विभाग आवंटित नहीं किया गया है। वह 2023 में तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन भारत राष्ट्र समिति के उम्मीदवार से पराजित हो गये थे। वह उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद सीट से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं।

खड़गे की पीएम मोदी से मांग

अगर सरदार पटेल का सम्मान करते हैं तो आरएसएस पर बैन लगाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत में कानून–व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस ज़िम्मेदार हैं और अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचमुच सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तो उन्हें आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का फ़ैसला लेना चाहिए। खड़गे ने कहा कि ये मेरे निजी विचार हैं और मैं खुले तौर पर कहता हूँ कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। अगर प्रधानमंत्री वल्लभभाई पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तो ऐसा होना चाहिए। देश में सभी बुराइयाँ और कानून–व्यवस्था की सभी समस्याएँ भाजपा और आरएसएस की देन हैं। सरदार पटेल के बारे में बोलते हुए, खड़गे ने कहा कि उन्होंने भारत की लौह महिला इंदिरा गांधी के साथ मिलकर देश की एकता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने सरदार पटेल द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखे पत्र का स्मरण किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से आरएसएस ने गांधीजी की मृत्यु पर खुशी मनाई थी, उसे देखते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस ने मिठाइयाँ बाँटी थीं। खड़गे ने कहा कि पटेल ने एक पत्र लिखा था जिसमें कहा गया था कि जिस तरह से आरएसएस के लोगों ने गांधीजी की मृत्यु पर खुशी मनाई थी, उसे देखते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने यह पत्र श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखा था...संघ के लोगों के भाषण ज़हर से भरे होते हैं; उन्होंने गांधीजी की हत्या के बाद मिठाइयाँ बाँटीं। उन्होंने यह पत्र गोलवलकर को भी लिखा था। इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने का आग्रह किया था। उन्होंने संगठन पर ष्युवाओं का ब्रेनवॉशष करने और ष्संविधान के विरुद्ध दर्शनष को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि लाखों भारतीय श्भारत की लौह महिलाश श्रीमती इंदिरा गांधी के जीवन से सदैव प्रेरणा पाएंगे। इंदिरा गांधी लचीलेपन, साहस और दूरदर्शी नेतृत्व की प्रतीक थीं। भारत की प्रगति और एकता के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता हमारे दिलों और दिमागों में बसी है। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में, उसकी अखंडता और भावना की रक्षा करते हुए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया।

सोनिया, खरगे, राहुल ने शहीद दिवस पर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा

गांधी की 41वें शहादत दिवस पर शुक्रवार को उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खरगे, श्रीमती गांधी तथा राहुल गांधी ने सुबह पूर्व प्रधानमंत्री कि समाधि शक्ति स्थल आयोजित कार्यक्रम में पहुंच कर पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया एक पर एक पोस्ट में इंदिराजी के शब्दों को उधृत कर उन्हें नमन करते हुए कहा ''जब तक मुझ में साँस है तब तक सेवा ही नहीं जायेगी और जब मेरी जान जायेगी तब मैं ये कह सकती हूँ कि...एक एक खून का क़तरा जितना मेरा है, वह एक–एक खून का क़तरा. ..एक भारत को जीवित करेगा।–श्रीमती इंदिरा गाँधी''

श्री खरगे ने अपनी पोस्ट में लिखा भारत की एकता व अखंडता को संजाएँ रखने के लिए, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व व दूरदर्शिता से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और एक सशक्त प्रगतिशील भारत का निर्माण किया।

गैर सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देगी सरकार : सूद

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी में नॉन कंफर्मिंग एरिया में चलने वाले गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूल अब मान्यता के लिए एक नवंबर से आवेदन कर सकते हैं। श्री आशीष सूद ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए दिल्ली में नॉन कंफर्मिंग एरिया में चलने वाले गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को मान्यता देने के लिए ठोस निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार वह सभी गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूल जो नॉन कंफर्म एरिया में काफी समय से चल रहे है और जिन्होंने शिक्षा निदेशालय से अभी तक किसी कारणवश मान्यता नहीं ली या पुरानी सरकारों के भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण उनको मान्यता नहीं मिल पाई ऐसे सभी स्कूल अब मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय का पोर्टल एक नवंबर से शुरू हो जाएगा। इस पोर्टल पर ऐसे सभी स्कूल जो मान्यता लेने के इच्छुक हैं वह 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक से यह मुद्दा फ़ाइलों में दबा रहा और हज़ारों बच्चे अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित रहे।

सेना प्रमुख की चेतावनी : आधुनिक युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बुद्धि–नैतिकता से जीते जाएंगे

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध अब ष्और–गतिज और गैर–संपर्कष होता जा रहा है और इसलिए इसके लिए ऐसी प्रतिक्रिया की आवश्यकता है जिसके लिए सैन्य शक्ति, बौद्धिक कौशल और नैतिक तैयारी की आवश्यकता हो। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि युद्ध के तरीके लगातार बदल रहे हैं और अब ये आमने सामने नहीं लड़े जाते,

इसलिए इनका सामना करने के लिए सैन्य शक्ति, बौद्धिक क्षमता और न्यायसंगत तैयारी की आवश्यकता है। सेना प्रमुख ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं और युद्धक्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका निभाने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने भी सेना और रक्षा थिंक टैंक 'सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज' द्वारा आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉगरू यंग लीडर्स फोरम' में सैन्य अधिकारियों, छात्रों और रक्षा विशेषज्ञों को संबोधित किया। सेना प्रमुख ने अपने भाषण में युद्ध की बदलती प्रकृति और इस परिदृश्य में आवश्यक तैयारी पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ''युद्ध में भाग–दौड़ अब नहीं होती और यह संपर्क–रहित होता जा रहा है'' और इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य शक्ति, बौद्धिक कौशल और न्यायसंगत तैयारी की आवश्यकता है।'' ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग में शामिल होती रहीं कर्नल सोफिया कुरैशी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थीं। कार्यक्रम में घोषणा की गई कि चाणक्य रक्षा संवाद 2025 नवंबर (27–28) में आयोजित किया जाएगा जिसका विषय ''सुधार से परिवर्तनः सशक्त और सुरक्षित भारत' होगा।

अमित शाह बोलेः धारा 370 हटाकर पीएम मोदी ने पूरा किया सरदार पटेल का अधूरा संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ज़ोर देकर कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल को तत्कालीन कांग्रेस सरकार से वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारत के पहले गृह मंत्री को 41 साल की देरी के बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर, केंद्रीय गृह मंत्री ने स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी की परिकल्पना और सरदार पटेल के सम्मान में एक भव्य स्मारक के निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। शाह ने कहा कि उस समय की कांग्रेस सरकार ने

सरदार वल्लभभाई पटेल को पर्याप्त सम्मान नहीं दिया। सरदार पटेल को 41 साल की देरी के बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया...देश में कहीं भी न तो कोई स्मारक बनाया गया और न ही कोई स्मारक...जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तभी उन्होंने स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी की परिकल्पना की और सरदार पटेल के सम्मान में एक भव्य स्मारक का निर्माण किया। इससे पहले आज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई।

राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के पहले गृह मंत्री की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री ने सरदार पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि आधुनिक भारत पटेल की दूरदर्शिता और प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर सरदार पटेल के संकल्प को पूरा किया है।

सत्संग में प्रवाहित कथा रूपी गंगा का दरश, परस है मोक्षदायीः विनोदानन्द

करछना। मन की पावनता और मानव जीवन को धन्य करने वाली मोक्षदायिनी है,सत्संग में प्रवाहित कथा रूपी गंगा। जिस प्रकार मां गंगा के कई स्वरूप है उसी में कथा रूपी गंगा भी मनुष्य को भव भय मुक्ति दायिनी है। मनुष्य को चाहिए कि मानव मन के विकारों को दूर करने के लिए सत्संग का अनुसरण करते हुए कथा रूपी गंगा में स्नान करें। यह बातें क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में चल रहे 27 वें जमुनापार महोत्सव के पांचवें दिन व्यास पीठ पर विराजमान राम कथा प्रवाचक स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कही।

स्वामी जी ने भगवान शिव जी द्वारा पार्वती जी को सुनाई

गई राम कथा प्रसंग के अलावा राम चरित मानस के विभिन्न प्रसंगों की चौपाई गत मार्मिक व्याख्या कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

उन्होंने कहा कि प्रेम ही जगत का सार है जो पूरे प्राणियों को तार तार जोड़ता है ।यही प्रेम है जो भगवान श्री राम को सबसे अधिक प्रिय है,रामहिं केवल प्रेम पियारा की व्याख्या करते हुए उन्होंने प्रेम के विविध रूपों की चर्चा की। प्रेम के लिए सबसे सरल मार्ग सुझाते हुए कहा कि भक्ति भाव और अहम त्याग कर मन को श्रद्धा भाव से प्रभु की शरण में समर्पण कर देने से प्रभु की भक्ति सहज ही उपलब्ध हो जाती है।

इसके पूर्व मेजा के पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्नन शुक्ला और महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कथा व्यास स्वामी जी का माल्यार्पण,प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया। डॉ.पांडेय ने कहा कि मौसम दो दिनों से प्रतिकूल है,फिर भी श्रोताओं का धैर्य और कथा रूपी सत्संग के प्रति सभी का समर्पित भाव सराहनीय है। दिन भर हो रही बूंदाबांदी और बादलों के चलते पहले सत्र में मंच पर आयोजित लोकनृत्य और लोकगायन की प्रतियोगिता को आगामी 2नवम्बर को समापन दिवस पर होने की सूचना देते हुए प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने सभी श्रद्धालु भक्तजनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। संचालन डॉ के. के. त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर शोभनाथ द्विवेदी,सुरेन्द्र पाण्डे, राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, कन्हैया लाल, राकेश कुमार पाण्डेय, राजू तिवारी, रामेश्वर द्विवेद्वी गोरे लाल तिवारी, रोशन प्रजापति, परशुराम मिश्रा, कपिल तिवारी, शिवा शुक्ल, डॉ दिनेश सोनी समेत कई श्रद्धालु भक्तजन मौजूद रहे।

कोर में एकता शपथ एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का समापन

प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में दिनांक 31/10/2025 को प्रातः 11 बजे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर महाप्रबन्धक/कोर श्री रामेन्द्र कुमार तिवारी, एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, एवं उनके चित्र पर माल्यापर्पण किया गया। तत्पश्चात महाप्रबन्धक महोदय द्वारा मुख्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकता शपथ दिलवाया गया।

दिनांक 31.10.2025 को श्री तिवारी की अध्यक्षता में सतर्कता संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। श्री शरत चंद्रायन, मुख्य परिचालन प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। संगोष्ठी में श्री एस.एस. नेगी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्री डी. के. सिन्हा, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, श्री हिमांशु बडोनी, मुख्य सतर्कता

अधिकारी, श्री उपेंद्र कुमार, मुख्य विद्युत इंजीनियर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि अपने सरकारी कार्य निष्पादन के दौरान प्रत्येक स्टाफ को सतत रूप से सतर्क रहते हुए सामूहिक जिम्मेदारी के साथ आत्मा की आवाज़ को सुनना चाहिए। दर निर्धारण सूची से संबधित कार्य में तेजी लाने और पारदर्शिता रखने पर जोर देते हुए सामाजिक ज़िम्मेदारी के बोध पर भी जोर दिया।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में निष्ठा से कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि सतर्कता विभाग के कार्य निष्पादन के दौरान किसी को भी भावना प्रधान नहीं होना चाहिए, तथा परिस्थिति अनुसार निर्णय लेते समय अधिक सतर्क रहना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्त्तव्य है कि वह समाज एवं संगठन के सुचारू संचालन में अपनी भूमिका के प्रति सदैव सजग रहे। मुख्य सतर्कता अधिकरी ने कहा कि अब सतर्कता संगठन का कार्य "प्रिवेंटिव से प्रिडेक्टिव" हो रहा है अतः और अधिक सजगता के साथ कार्य किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही सभी प्रमुख विभागध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए । संगोष्ठी के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित वाक, निबंध, क्विज एवं रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबंधक/कोर द्वारा पुरस्कृ त किया गया। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री सौरभ मिश्रा, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा किया गया।

एआई बता रहा, कौन सा रंग कमरे में खिलेगा

प्रयागराज। शहर के बाजारों में इस बार रंगों की दुनिया में एक नई तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रवेश हुआ है। वैसे तो शहर के बाजारों में हर रेंज के पेंट-डिस्टेंपर उपलब्ध हैं लेकिन अब कार्ड पर रंग के शेड देखकर पसंद करना बीते जमाने की बात हो चुकी है। आज शहरी डिजिटल स्क्रीन पर अपने कमरे और घर की आभासी छवि पर विभिन्न रंगों को देखकर पेंट पसंद कर रहे हैं, यह संभव हुआ है पेंट की दुनिया में एआई के आने के बाद। एआई यह भी बताता है कि कौन सा रंग आपके कमरे की रोशनी, दिशा और दीवारों की बनावट के अनुसार सबसे ज्यादा चमकेगा और उसे आकर्षक बनाएगा।

मनमोहन पार्क स्थित पेंट विक्रेता अंजनैया तिवारी बताते हैं कि इस बार पेंट बाजार में एआई आधारित डिजाइनिंग सबसे बड़ा आकर्षण बन गया है। ग्राहक अपने कमरे की तस्वीर दिखाते हैं और एआई उस पर रियल टाइम में रंगों का संयोजन और लाइटिंग का प्रभाव दिखाता है। सिस्टम यह भी सुझाता है कि दीवारों के साथ खिड़कियों का रंग, पर्दों का टोन, फर्नीचर की शेड और बैकग्राउंड डिजाइन कैसा हो, ताकि पूरा कमरा संतुलित और सुंदर दिखे। अंजनैया तिवारी ने बताया कि यह एआई सिर्फ सौंदर्य नहीं, बल्कि व्यक्ति के स्वभाव, रुचि और वास्तु सिद्धांतों को भी ध्यान में रखता है। अगर कोई धार्मिक व्यक्ति है तो हल्के, शांति देने वाले रंग सुझाए जाते हैं, वहीं प्रोफेशनल्स के लिए सॉफ्ट ग्रे या बेज शेड और बच्चों के कमरों के लिए एनिमेटेड, चमकीले रंग प्रस्तावित किए जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति कमरे में रंग वास्तु के अनुसार चाहता है तो वह वास्तु का विकल्प चुनेगा और उसे कमरे का नया कलेवर नजर आएगा।

पेंट कंपनियां दे रहीं आठ साल की वारंटी दीवाली सीजन में पेंट कंपनियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए गारंटी योजना भी शुरू की है। कई कंपनियां 8 से 10 साल तक की पेंट वारंटी दे रही हैं। यदि इस अवधि में दीवारों की पेंटिंग उखड़ जाती है या रंग फीका पड़ जाता है, तो ग्राहक सिर्फ खरीद रसीद दिखाकर क्लेम कर सकते हैं। हालांकि, यह सुविधा उन्हीं घरों के लिए मान्य है जिनमें सीलन या पानी का रिसाव नहीं है। अगर ऐसा नहीं है तो वह पेंट की रसीद लेकर दुकानदार से क्लेम कर सकता है। दुकानदार बताते हैं कि अभी तक कोई ग्राहक ने ऐसा क्लेम नहीं किया है।

वाल पेपर और टेक्सचर की बढ़ती लोकप्रियता पेंटिंग के साथ-साथ इस बार वाल पेपर और टेक्सचर की भी जोरदार मांग है। बाजार में 900 रुपये से 4000 रुपये तक के वाल पेपर रोल उपलब्ध हैं, जो लगभग 50 वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करते हैं। यदि 10-10 फीट के कमरे की एक दीवार सजानी हो, तो लगभग दो रोल की आवश्यकता होती है। बच्चों के कमरों में कार्टून कैरेक्टर वाले वाल पेपर और थीम आधारित टेक्सचर खूब पसंद किए जा रहे हैं। टेक्सचर की कीमत वॉल पेपर से थोड़ी अधिक है, लेकिन यह सीलन और नमी वाली दीवारों पर टिकाऊ रहता है। कटरा और चौक जैसे स्थानीय बाजारों में पहले सिर्फ दिल्ली और मुंबई से आने वाले डिज़ाइनर वाल पेपर अब आसानी से उपलब्ध हैं। रंगों के पांच हजार शेड पेंट बाजार में हर वर्ग के लिए विकल्प मौजूद हैं। उच्च वर्ग से लेकर मध्यम व गरीब वर्ग के लिए अलग-अलग कीमतों के पेंट मौजूद हैं। खास बात ये है कि ग्राहकों के लिए कंपनियों ने कई विकल्प दिए हैं। पांच हजार रंगों के शेड बनाने के लिए कंपनियों ने दुकानों पर मशीन मुहैया कई है। ग्राहक शेड पसंद करते हैं और कंप्यूटर पर उसे दिखाने के बाद तत्काल नया रंग बनाकर दिया जाता है। हर वर्ग के लिए पेंट शहर में उच्च वर्ग के लोग अपने महलों के लिए कश्मीर हाई शीन जैसे प्रीमियम पेंट मांग रहे हैं। इसकी कीमत 730 से 800 प्रति लीटर है। सुरक्षा प्लस और एक्सेल शीन जैसे मिडिल क्लास के लिए ब्रांड 200 से 450 प्रति लीटर में उपलब्ध हैं। एनामेल पेंट (दरवाजों और खिड़कियों के लिए) 260 से 300 प्रति लीटर में बिक रहा है। इसके अलावा नेरोलक, एशियन पेंट, आईका, नियोन सिरका, बर्जर और वॉटरप्रूफ पेंट्स की बिक्री भी इस बार रिकॉर्ड स्तर पर है। पेंटिंग के लिए सामान्य ब्रश 150 रुपये तो रोलर भी 150 में बिक रहा है। वहीं वाल पुट्टी 40 किग्रा 650 रुपये तो वाटर प्रूफ की कीमत 1200 रुपये है। पेंटिंग के लिए मजदूरी 700 रुपये है लेकिन ज्यादातर काम अब ठेके पर होने लगा है। सीलन, दरार और लीकेज से बचाने वाले नए उत्पाद शहर के दुकानदारों ने बताया कि अब सिर्फ पेंट ही नहीं, बल्कि मरम्मत और रखरखाव से जुड़ी नई सामग्री भी उपलब्ध है। ब्रेक फिलर दीवारों की दरार भरने के लिए,

ड्रीम लॉक सीलन रोकने के लिए, थर्मल पेंट बाथरूम और किचन की लीकेज रोकने के लिए लोकप्रिय हो रहे हैं। इन उत्पादों की मांग खासतौर पर पुराने मकानों के लिए बढ़ी है। बोले दुकानदार त्योहारी सीजन में पेंट बाजार परंपरा और तकनीक का अनोखा संगम बन गया है। जहां एक ओर लोग घरों को रंगों से सजा रहे हैं, वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हर घर को उसकी पसंद और व्यक्तित्व के मुताबिक रंगने में मदद कर रहा है।-अंजनेय तिवारी इस त्योहार पर हर ग्राहक की जरूरत के अनुसार पेंट कंपनियों ने पेंट पेश किया है।

10 से 20 लीटर का पेंट खरीदने पर 20 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। मध्यम वर्गीय परिवार घर के अंदर और घर के बाहर अलग-अलग पेंट खरीद रहे हैं।-राहुल केसरवानी दीवाली पर ग्राहकों के लिए पांच हजार रंगों का शेड मौजूद है। ग्राहक अपनी पसंद का कलर तैयार करा रहे हैं। एपेक्स साइन, अल्टीमा और रायल सिरीज की मांग ज्यादा है। इसके अलावा टेक्चर की मांग भी बढ़ी है।-दुर्गा प्रसाद गुप्ता

बाजार में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा हैं। पेंट की नई रेंज व क्वालिटी दुकानों में आ गई है, जिससे ग्राहकों को सामान खरीदना आसान हो गया है।-शशिधर पांडेय

समय के साथ लेबर चार्ज में काफी बढ़ोतरी हो गई है लेकिन काम तो कराना ही है।-प्रमोद कुमार पहले की तुलना में अब घर के रंगरोगन का काम काफी आसान हो गया है। मैन पावर की जगह मशीनें काम कर रही हैं जिससे समय लगता है। पेंट की नई नई रेंज बाजार में होने से ग्राहकों को काफी आसानी हो रही है।-अभय तिवारी इस बार जीएसटी में कमी के कारण बाजार में काफी चहल पहल है, कई सामानों के दाम कम हुए हैं। पेंट व भवन निर्माण सामग्री के दाम में भी कमी हो जाती तो आम लोगों को काफी राहत मिल जाती लेकिन इसमें कमी नहीं आई है।-संजय बिंद

जीएसटी में कटौती के कारण कई सामानों के दाम में कमी आई है। पेंट आदि उत्पादों के जीएसटी में कोई कमी न किए जाने से इसके ग्राहकों को कुछ फायदा नहीं हो पाया है। इनके दाम भी कम होने चाहिए थे।-संजय चन्द्रा

पूरा घर पेंट करा रहे हैं हालांकि अब पेंट कराने में खर्च काफी बढ़ गया है लेकिन नई तकनीक से काफी आसानी हो रही है।-माला पहले और अब में काफी अंतर आ गया है। पहले हम लोग खुद घर पेंट करने में लग जाते थे लेकिन अब ऐसा करना संभव नहीं है। लेकिन नई तकनीक आ जाने से काम काफी आसान हो गया है, समय भी बच रहा है।-चांदनी काफी दिनों से घर पेंट कराने की सोच रही थी लेकिन समय नहीं मिल पा रहा था। नई तकनीक से समय कम लगने की उम्मीद है।-लालती देवी

कई साल बाद घर पेंट करा रहे हैं जिसमें काफी खर्च का अनुमान है। एक बार घर पेंट हो जाए तो तीन चार साल के लिए फिर सोचना नहीं पड़ेगा। घर का मामला है इसलिए क्वालिटी में कोई समझौता नहीं कर सकते।-राजेश कुमार पहले ग्राहकों के पास चूना व डिस्टेंपर जैसे कुछ ही विकल्प मौजूद रहते थे लेकिन अब पेंट की नई नई किस्में बाजार में आ गई हैं। इनकी लागत भले ही अधिक हो लेकिन कई साल के लिए फुर्सत हो जा रही है।-वीरेन्द्र कुमार बीते वर्ष ही पूरा घर पेंट कराया है लिहाजा इस बार पेंट कराने की जरूरत नहीं समझी जा रही है। घर पर चूने का काम करा रहे हैं जो हर साल कराना पड़ता है। चूने के काम में ही काफी खर्च आ जाता है।-शशिकांत दुबे घर पर वैवाहिक कार्यक्रम होने के कारण पेंट का काम चल रहा हैं जिसे लेकर काफी उत्साह है। कलर वगैरह तय कर लिया है और काम जल्द पूरा हो जाने की उम्मीद है। करीब डेढ़ से दो लाख के खर्च का अनुमान है।-लालजी चौरसिया जीएसटी में कटौती से काफी सामानों के दाम में कमी आई है लेकिन पेंट व भवन निर्माण सामग्री के जीएसटी में कमी न होने के कारण दाम नहीं कम हो सके हैं। इनके दाम भी घट जाते तो ग्राहकों को काफी राहत मिल जाती।-बृजेश कुमार चार साल बाद घर पेंट कराने का मौका मिल रहा है, भले ही यह काम उबाऊ और खर्चीला हो लेकिन हम काफी उत्साहित हैं। क्वालिटी में कोई समझौता नहीं कर रहे जिससे दो से ढाई लाख खर्च आने का अनुमान है।-राकेश कुमार अब बाजार में नए-नए पेंट आ गए हैं जिनमें समय काफी कम लग रहा है। काम में काफी आसानी हो जा रही है। अब तो मजदूर न मिले तो मकान की पेटिंग का जिम्मा ठेकेदार लेने लगे हैं। बिना किसी चिंता के काम हो जाता है।-रमेश श्रीवास्तव

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर विशेष- पांच घंटे तहखाने में रहीं इंदिरा अपने साथ ले गई कई राज

प्रयागराज। हत्या से तीन माह पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आई थीं। यह उनका निजी दौरा था। आनंद भवन में कुछ पुराने कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद उनके पांच घंटे आनंद भवन के तहखाने में बीते। वहां दर्जनों अलमारियां और बक्से रखे थे।

हत्या से तीन माह पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आई थीं। यह उनका निजी दौरा था। आनंद भवन में कुछ पुराने कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद उनके पांच घंटे आनंद भवन के तहखाने में बीते। वहां दर्जनों अलमारियां और बक्से रखे थे। वह कई अलमारियां और बक्से साथ ले गईं लेकिन यह आज भी राज है कि उनमें क्या था। वर्ष 1970 में आनंद भवन को जब जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल ट्रस्ट बनाया गया तो तहखाने को छोड़ बाकी संपत्ति ट्रस्ट को ट्रांसफर कर दी गई और तहखाने की देखरेख की जिम्मेदारी और उसकी चाबी मुंशी कन्हैया लाल को सौंप दी गई। नेहरू परिवार के करीबी रहे कन्हैया लाल 1934 से 1984 तक स्वराज भवन और आनंद भवन के केयरटेकर रहे।

कन्हैया लाल के दामाद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्याम कृष्ण पांडेय बताते हैं कि सुबह 11 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर इंदिरा गांधी का विमान उतरा था और वहां से सीधे आनंद भवन आईं। सुबह 11रू30 से 12रू00 बजे तक कार्यकर्ताओं से मिलीं। इसके बाद मुंशी कन्हैया लाल को साथ लेकर तहखाने में गईं। वहां नेहरू परिवार के सदस्यों के नाम से अलग-अलग कई अलमारियां और बक्से रखे हुए थे और सभी पर ताले लगे थे। इंदिरा गांधी वहां पांच घंटे तक रहीं। अलमारियों और बक्सों को खुलवाकर देखा।

कई महत्वपूर्ण दस्तावेज के साथ कुछ अलमारियां और बक्से साथ ले गईं। उनमें क्या था, यह आज भी पहेली है। केयरटेकर रहे मुंशी कन्हैया लाल ने भी पत्नी और बच्चों को इस बारे में कभी कुछ नहीं बताया। वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद मुंशी कन्हैया लाल का भी निधन हो गया। तहखाने की चाबी कन्हैया लाल की पत्नी चंपा देवी ने अपने पास रख ली। राजीव गांधी चुनाव जीत कर अमिताभ बच्चन के साथ स्वराज भवन आए तो चंपा देवी ने चाबी राजीव गांधी को सौंप दी। उस वक्त कन्हैया लाल की बेटी किरण बाला पांडेय और दामाद श्याम कृष्ण पांडेय भी मौजूद थे। नेहरू परिवार के करीबी रहे मुंशी कन्हैयालाल फैजाबाद में राजस्व निरीक्षक के पद पर तैनात थे। वर्ष 1934 में उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया और आनंद भवन की देखरेख की जिम्मेदारी उठा ली।

48 घंटे से रिमझिम फुहारों के बीच ठंड का आगाज, दूसरे दिन भी नहीं हुए सूर्य के दर्शन

प्रयागराज। लगातार 48 घंटे से रिमझिम बारिश के बीच संगमनगरी में ठंड का आगाज हो गया है। दूसरे दिन भी भगवान भास्कर के दर्शन नहीं हुए। बेमौसम बारिश के चलते फसलों को काफी नुकसान हो रहा है। अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से उठे मोंथा चक्रवात का असर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी देखने को मिला। इस दौरान सुबह तेज बारिश के बाद पूरे दिन रिमझिम होती रही। रात में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने 24 घंटे के भीतर 4.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है। बारिश के साथ चल रही तेज हवाओं ने मौसम को सर्द कर दिया। लोगों ने बक्से में रखे जैकेट-स्वेटर बाहर निकाल लिए। शनिवार को भी बारिश का पूर्वानुमान है। चक्रवाती प्रभाव से बदले मौसम में शुक्रवार को सुबह काले-काले बादल खूब बरसे। बादलों के डेरा जमाए रहने से दिन में भी रात की तरह अंधेरा हो गया। इस बीच सुबह और शाम के समय बूंदा-बांदी और दिन भर रिमझिम बारिश ने लोगों को भिगोने का काम किया। पिछले दो दिनों की अपेक्षा हवाएं भी तेज गति से चलीं। मौसम में बदलाव से पारा लुढ़का तो लोगों ने कूलर-एसी ही नहीं पंखे भी बंद कर दिए। रात करीब नौ बजे से तेज बारिश जिसकी वजह से मौसम और भी सर्द हो गया। बारिश का क्रम देर रात तक जारी रहा। मौसम विभाग ने शनिवार को भी बारिश की संभावना जताई है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में और अधिक गिरावट आने की संभावना है। 48 घंटे से लगातार बारिश और रिमझिम फुहार के चलते ठंड की शुरुआत हो गई है। लोग मफलर, स्वेटर और शॉल लेकर बाहर निकल रहे हैं। गंगापार क्षेत्र में इन दिनों धान की कटाई जोरों पर है। लेकिन, हाल की बारिश किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी (डीपीपीओ) मुकेश कुमार ने कहा कि जिन खेतों में कटाई के बाद धान की फसल खेत में पड़ी है, वहां बालियों में फफूंदी लगने और उनके काले पड़ने की आशंका है। इससे फसल की गुणवत्ता और पैदावार में 10 से 15 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 1 नवंबर तक पहुंचे

प्रयागराजसनिदेशक, जनगणना कार्य एवं मुख्य प्रधान जनगणना आयुक्त, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं उ०प्र० सरकार के आदेशानुसार जनगणना-2027 का प्री-टेस्ट मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के लिए जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 4 की उपधारा (4) के साथ पठित जनगणना नियमावली, 1990 के नियम 3 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं उत्तर प्रदेश राज्य शासन के पत्रांक संख्या 3-1099/36/2025- सामान्य प्रशासन अनुभाग-1/1/1080878/2025 दिनांक 08.09.2025 के क्रम में प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतदद्वारा जनगणना 2027 प्री-टेस्ट मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु जिलाधिकारी महोदय, प्रयागराज द्वारा कार्यालय पत्र सं० डी० 223/जनगणना/2027 दिनांक 27.10.2025 द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के अधीनस्थ कार्यरत नगरीय क्षेत्र के अध्यापकों/अध्यापिकाओं की प्रगणक / पर्यवेक्षक के रूप में 03 दिवसीय दिनांक 30.10.2025 से दिनांक 01.11.2025 तक प्रातः 9रू30 बजे से सायं 5रू00 बजे तक जनगणना-2027 के प्री-टेस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम मैरी लूकस स्कूल एण्ड कॉलेज, कटरा रोड, प्रयागराज में लगायी है। जनगणना-2027 के प्री-टेस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रयागराज नगर निगम के चयनित क्षेत्र जोन 2 के वार्ड 90 (शाहगंज गढ़ीसराय), 92 (बक्शी बाजार). 97 (चौक गंगादास), जोन 4 के वार्ड संख्या 48 (अलोपीबाग), 94 (चौखंडी), जोन 8 के वार्ड 19 (अंदावा) एवं 52 (हवेलिया) में किया जायेगा। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 30.10.2025 व दिनांक 31.10.2025 को जिन अध्यापकों/अध्यापिकाओं द्वारा भाग नहीं लिया गया है अथवा बिना किसी सूचना के जानबूझ कर अनुपस्थित हैं ऐत्ते प्रगणकों/पर्यवेक्षकों विरुद्ध जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 5 और 11 के प्रावधानों के अनुसार अनुलग्नक-१ और अनुलग्नक-2 के अनुसार प्रगणक एवं पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। नियुक्त किये गये प्रगणक/पर्यवेक्षक को एक लोक सेवक माना गया है तथा नियुक्त किये गये पर्यवेक्षक / प्रगणक के द्वारा जनगणना करने में सहायता देना विधि पूर्वक अपेक्षित है। इस अधिनियम के अन्तर्गत किसी भी कर्तव्य का पालन करने से इंकार करना दण्डनीय अपराध है, जिसके लिए 1000-०० रू० तक का जुर्माना तथा दोष सिद्धि की स्थिति में 03 वर्ष तक के करावास की सजा भी हो सकती है। प्रगणक / पर्यवेक्षक कर्तव्य और जिम्मेदारियां तथा जनगणना अधिनियम 1948 के प्रासंगिक प्रावधान, जानकारी और अनुपालन के लिए मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य प्रशिक्षण में अनुपस्थित होन के कारण ऐसे नियुक्त किये गये अध्यापकों/अध्यापिकाओं के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज से अपेक्षा की गयी है तथा साथ ही जोन अधिकारी / चार्ज अधिकारी जनगणना, जोन सं0-02, 04 व 08 को निर्देशित किया गया है कि अनुपस्थित कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार एफ.आई.आर. (थ्प्त्) दर्ज कराने की कार्यवाही अमल में लायी जाय साथ ही अनुपस्थित कर्मचारी यदि एफ.आई.आर. (थ्प्त्) जैसे दण्डात्मक कार्यवाही से बचना चाहते हैं तो वह दिनांक 01.11.2025 को प्रशिक्षण स्थल मैरी लूकस स्कूल एण्ड कॉलेज, कटरा रोड़, प्रयागराज में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का कष्ट करें।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अक्टूबर माह की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अक्टूबर महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी काव्या की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि

राधा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि बिमला काबरा रहीं। मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। पश्चात मां सरस्वती की वंदना रंजना बिनानी जी द्वारा प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंघी, सरला बजाज एवं पूनम अग्रवाल ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज जी द्वारा किया गया, धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी जी द्वारा दिया गया।

भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

भोपाल। शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी आशा जाकड़ की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सरोज दवे, विशिष्ट अतिथि, उमा मिश्रा प्रीति, स्वागत उद्बोधन, आशा सक्सेना काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति

वंदना त्रिपाठी द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें।आशाश्रीवास्तव, साधना सुषमा पटेल, सरोज लता सोनी, चित्रा घोटे,वंदना पाठक ,सीमातिवारी, बालारानी वर्मा, अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,, रानी अंतमें धन्यवाद ज्ञापन नीलिमा तिवारी द्वारा किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि./क.वि./प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/586 दिनांक: 30.10.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत/अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं.- 230-क.वि.-कार्य ठेका-977-2025, कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज खंड में सीटीआर, टीआरआर, टीटीआर, टीएसआर एवं यार्ड सुधार कार्यों के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत : ₹ 79,78,088.92	बिड सुरक्षा राशि : ₹ 1,59,600.00
कार्य अवधि : 12 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 20.11.2025, 14:00 बजे।	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 20.11.2025, 15:00 बजे।	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेण्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2050/25 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-58-विद्युत/कोचिंग-प्रया0/2025-26 दिनांक : 28.10.2025

ई-टेण्डर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर E-Tender दिनांक 20.11.2025 समय 15:00 बजे तक आमन्त्रित करते हैं। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् हैं-

निविदा सं0 : ETCHG-58	कार्य की लागत (रू0 में) : Rs. 30,16,242.60
कार्य का नाम : पावर कारों में डी.ए. सेट के प्रारंभ होने के बाद स्टार्टर मोटर को अलग (आइसोलेट) करने के लिए फ्यूज सहित मैनुअल आइसोलेटिंग स्विच की व्यवस्था करना।	
धरोहर राशि (रू0 में) : Rs. 60,300.00	समयावधि : 06 Months
टेण्डर फार्म की कीमत (रू0 में) : NIL	निविदा खुलने की तिथि : 20.11.2025
निविदा का प्रकार : Works (Open Tender) under Capital (RSP) allocation	

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है-www.ncr.indianrailways.gov.in 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन नई बैंक की नेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। 2035/25 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

समारोह पूर्वक मनाई गई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

खैराबाद–सीतापुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद – सीतापुर के सभागार में उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाई गई । कार्यक्रम का आगाज़ लौह पुरुष के चित्र पर प्राचार्य डायट द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। समारोह में उपस्थित डायट के प्रवक्ता गण तथा कार्यालय स्टाफ द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर भारत के इस महान नेता को याद किया गया।

उप शिक्षा निदेशक डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार पटेल के प्रयासों से 565 देशी रियासतों ने इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसन पर हस्ताक्षर कर भारत संघ में विलय की सहमति दी जिससे भारत राज्यों का संघ बनकर एक राष्ट्र के रूप में विश्व के मानचित्र पर उदय हुआ । उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने प्रिवी पर्स को इस कार्य के लिए इस्तेमाल किया और देशी रियासतों के राजाओं को वार्षिक

पेंशन तथा टाइटल के प्रयोग की अनुमति प्रदान की जिससे भारत राज्यों का संघ बन सका तथा भारत में विशुद्ध गणतंत्र की स्थापना हुई।

इससे पूर्व संस्थान के प्रशिक्षुओं द्वारा ᳵरन फॉर यूनिटी ᳵ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम को प्राचार्य डायट द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो खैराबाद टाऊन के मुख्य मार्गों से होते हुए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण में आकर समाप्त हुई ।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रवक्ता अमित कुमार द्वारा किया गया जबकि ᳵ रन फॉर यूनिटी ᳵ का संयोजन प्रवक्ता डॉ नरेन्द्र कुमार , अमित वर्मा तथा डॉ शाह खालिद द्वारा किया गया । कार्यक्रम में स्नेहलता , रुचि सागर , दिलीप कुमार, अमित वर्मा , मीनाक्षी शर्मा , सीमा वर्मा , राजेश्वरी वर्मा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए । वरिष्ठ सहायक जयपाल तथा शशांक तिवारी द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई जबकि संयोजन कनिष्ठ सहायक रम्भा सिंह द्वारा किया गया।

दिव्यांग बच्चों के मुस्कुराते चेहरे: एक्सपोज़र विज़िट ने दिया नया अनुभव, नई उड़ान

प्रयागराज। समेकित शिक्षा के अंतर्गत परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु एक्सपोज़र विज़िट कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री देवव्रत सिंह के कुशल निर्देशन एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा श्री विकास पांडे के संयोजन में किया गया।कार्यक्रम के तहत जनपद के विभिन्न ब्लॉकों के कुल 150 दिव्यांग बच्चों हेतु तीन एक्सपोज़र विज़िट कराया गया। बच्चों को ज्ञानवर्धक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों जैसे आनंद भवन, तारामंडल, इलाहाबाद संग्रहालय, चंद्रशेखर आज़ाद पार्क, विक्टोरिया पार्क एवं खेलकूद पार्क का भ्रमण कराया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया और इतिहास, विज्ञान एवं संस्कृति की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की एक विशेष झलक यह रही कि 9 दिव्यांग बच्चों कृ कुमारी रोशनी (विकासखंड सैदाबाद), कृष्ण

(होलागढ़), आर्यन कुशवाहा (करछना), देवराज (नगर क्षेत्र), मोहम्मद अयान (नगर क्षेत्र), अनमोल (नगर क्षेत्र) और आयन (नगर क्षेत्र) कृ जिनका आज जन्मदिन था, उनका सामूहिक जन्मोत्सव मनाया गया। केक काटकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उल्लास की झलक पूरे वातावरण को प्रफुल्लित कर गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार कुशवाहा, सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), प्रयागराज मंडल प्रयागराज ने बच्चों का जन्मोत्सव मनाया और कहा "इन विशेष बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस तरह के भ्रमण कार्यक्रम इनके आत्मविश्वास और सीखने की इच्छा को नई दिशा देते हैं।"

विकास पांडे, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा ने कहा दृ"हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को जीवन के हर क्षेत्र में अवसर देना है। जब ये बच्चे इतिहास, विज्ञान और संस्कृति को स्वयं देखकर सीखते हैं, तो उनमें समाज से जुड़ने और आगे बढ़ने की प्रेरणा जागती है।"कार्यक्रम में श्रीमती प्रतिभा सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र, श्री मुकेश सैनी, सोल्स आर्क कॉर्डिनेटर, श्री रमाशंकर प्रजापति (समाजसेवी), समस्त स्पेशल एजुकेटर में पूनम सिंह और हेमलता सहित सभी एडुकेटर्स फिजियोथेरेपिस्ट एवं स्काउट गाइड टीम की सक्रिय उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और पूरे समय उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की।इस कार्यक्रम ने यह साबित किया कि समेकित शिक्षा के प्रयास न केवल शिक्षण तक सीमित हैं, बल्कि बच्चों को जीवन के हर अनुभव से जोड़ने का माध्यम भी हैं।

डी एस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने ली राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल में आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं महान स्वतंत्रता सेनानी लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर, स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन, स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा सहित कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित एवं विद्यालय में उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनको श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने विद्यालय में उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ भी दिलवाई। प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा के निर्देशन में शिक्षक

शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करने तथा इसके लिए हर संभव प्रयास करने की शपथ ली। प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने विद्यार्थियों को देश के प्रति वफादार रहने एवं देश की प्रगति एवं समृद्धि के लिए कार्य करने तथा देश की सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों का सम्मान करने एवं इसे आगे बढ़ाने के लिए अपना योगदान देने की भी शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में स्कूल कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित ने विद्यार्थियों को महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका तथा स्वतंत्रता पश्चात देश के एकीकरण के लिए उनके द्वारा दिए गए अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक योगदान के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने खेड़ा तथा बारडोली सत्याग्रह जैसे सफल आंदोलन चलाकर किसानों के अधिकारो की लड़ाइयां लड़ी एवं देश की जनता में राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। स्वतंत्रता के पश्चात बल्कि स्वतंत्रता के संक्रमण काल में ही उन्होंने विभिन्न रियासतों का भारत राष्ट्र में विलय कराकर आधुनिक भारत का मानचित्र दिया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के एक दल ने विद्यालय के शिक्षकों श्री रजनीश शर्मा ,श्री गौरव शर्मा ,श्री आशीष गुप्ता, श्री प्रशांत शर्मा, श्री संगम त्यागी ,श्री अतुल गुप्ता, श्री रवीश चंद्र एवं श्री आदित्य नारायण के साथ टाउन हॉल मैदान से शुरू हो रही रन फॉर यूनिटी में भी भाग लिया। शेष विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में ही रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष, स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा एवं कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने विद्यार्थियों से सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्श को अंगीकार करते हुए हमेशा देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लेने तथा देश की प्रगति एवं समृद्धि के लिए कार्य करने का आवाह किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सहयोग रहा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से "एकल" निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रम सं.-01, निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-31-25-26, कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे किर्लोस्कर (Kirloskar) निर्मित डी.ए. जनरेटर सेट्स के डीजल इंजनों और उनके विभिन्न निर्माताओं के अल्टरनेटर के "B" एवं "C" शेड्यूल अनुरक्षण हेतु 2 वर्षों की अवधि के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागत: ₹ 1,64,12,349.11, अमानत राशि: ₹ 2,32,100/-, कार्य समापन का समय: 24 माह, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे। **क्रम सं.-02,** निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-32-25-26, कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे कम्मिन्स (Cummins) निर्मित डी जनरेटर ए. सेट्स के डीजल इंजनों और उनके विभिन्न निर्माताओं के अल्टरनेटर के "B" एवं "C" शेड्यूल अनुरक्षण हेतु 2 वर्षों की अवधि के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागत: ₹ 3,85,70,277.64, अमानत राशि: ₹ 3,42,900/-, कार्य समापन का समय: 24 माह, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे।

• उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुजाबि/विद्युत-174 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

चतुर्थ वैश्विक सम्मेलन बाली में शास्त्र एवं नृत्य कला की गूंज

प्रयागराज। चतुर्थ वैश्विक संस्कृत सम्मेलन 14 से 16 अक्टूबर 2025 बाली (इण्डोनेशिया) में, ग्लोबल संस्कृत फोरम, भारत; आई.जी.बी. सुग्रीवा हिन्दू विश्वविद्यालय, देनपासार; तथा यायासन धर्म स्थापनाम, बाली के संयुक्त तत्वाधान में त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इसमें प्रयागराज सेडॉक्टर दीप्ति विष्णु ,असिस्टेंट प्रोफेसर ,सी एम पी डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने आमंत्रित वक्ता के रूप में"नाट्यशास्त्र –समृद्धि सांस्कृतिक विरासत का ग्रंथरूप अपना व्याख्यान दिया। एवं अनेक श्रेष्ठ गुरुजनों, गणमान्य अतिथियों, आश्रमवासियों एवं वहां के स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या में 'श्री रामस्तुति' पर नृत्य प्रस्तुति द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारत से बाहर विदेश की भूमि पर प्रस्तुत यह नृत्य भारत और बाली की सांस्कृतिक संवेदना अध्यात्म एवं कला का सुंदर संगम सिद्ध हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक, ग्लोबल संस्कृत फोरम के अंतरराष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर राजेश मिश्र, सुग्रीव हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति रेक्टर आई गुस्ति न्युग्राह सुदियाना, प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह, डॉ बालमुकुंदपांडे, श्री नवीन मेघवाल, श, डॉ शशांक विक्रम (काउंसिल जनरल ऑफ इंडिया,) डॉ एस धरम्यासा, डॉक्टर ब्रह्मदेव राम त्रिपाठी, आदि उपस्थित थे। भारत की 65 आचार्य एवं गुरुजनों सहित सुग्रीव विश्वविद्यालय के कुछ आचार्यों ने भी अपने विचार रखे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे जी ने डॉक्टर दीप्ति की इस उपलब्धि को गौरवपूर्ण एवं प्रेरणास्पद कहा है जिससे महाविद्यालय के साथ प्रयागराज नगर का गौरव भी बढ़ा है।

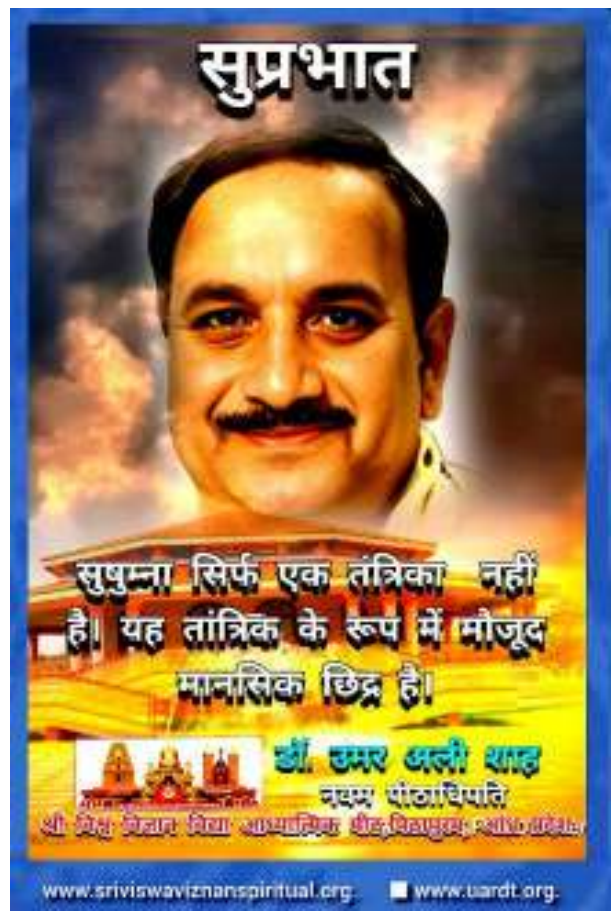

गेंदे का संसार

अच्छा लगता है बहुत, गेंदे का संसार।
शाख–शाख जब पर दिखे, फूलों का अम्बार।
फूलों का अम्बार,फ़िज़ा में खुशबू घोले।
हौले–हौले फूल,पंखुड़ी जब भी खोले।
सुन लो कहें प्रदीप, बड़ा हो या फिर बच्चा।
करते हैं तारीफ़, बताते सबसे अच्छा।।

फूलों के ही साथ में, महके जिसका पात।
कहते हैं गेंदा उसे,अनुपम हरि–सौगात।
अनुपम हरि–सौगात, मोहनी सूरत जिसकी।
नेह भरी मुस्कान, दुखों को हरदम हरती।
सुन लो कहें प्रदीप, दवा बनकर रोगों के।
हित की करते बात, सदा उपवन फूलों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पटेल जयंती पर राजकीय इंटर कालेज में 'रन फार यूनिटी' व गोष्ठी का आयोजन

मुज़फ्फरनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पी एम श्री राजकीय इंटर कालेज में "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुभाष चन्द द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया सर्वप्रथम विद्यालय में दौड़ का आयोजन हुआ व छात्र छात्राओं द्वारा विद्यालय में साफ सफाई की गई। इसके बाद विद्यालय के हाल में जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के

छात्र छात्राओं की भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रधानाचार्य सुभाष चन्द ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता के लिए जो योगदान दिया, वह सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति और एकता का संदेश देने का प्रयास किया गया। रन फॉर यूनिटी के दौरान छात्र छात्राओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। पूरे मार्ग पर "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के नारों से माहौल देशभक्ति से सराबोर रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से ममता रानी, सुचित्रा सैनी, गीता रानी, डॉ सोहन पाल, नीतू, ब्रह्म प्रकाश, आदर्श सिंघल, रकम सिंह, नेहा गोयल, वंदना कादियान, सीमा कुमारी, पूनम रानी राजीव गोयल, मोहित शर्मा आदि का सहयोग रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: MECH-OnF-HSD-FP-PRYJ-25 दिनांक: 29.10.2025

ई-निविदा सूचना

ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से निविदाएं - भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से 'प्रयागराज मण्डल में विभिन्न स्थानों (प्रयागराज, कानपुर & झूंसा स्टेशन) पर अतिरिक्त एचएसडी ऑयल फ्यूलिंग पाइंट्स का प्रावधान' के कार्य के लिए 'खुली निविदा-सिंगल पैकेट सिस्टम' आमंत्रित की जाती है।

कार्य का मूल्य (जीएसटी सहित) (₹): ₹ 17843285.03
बोली सुरक्षा/ईएमडी राशि (₹): ₹ 239200.00
निविदा फॉर्म की लागत (₹): शून्य
कार्य पूर्ण होने की अवधि: 18 माह
निविदा बंद होने की तिथि और समय: 26.11.2025 15:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि और समय: 26.11.2025 15:30 बजे

न्यूनतम पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य की परिभाषा: Similar Work definition: "Empanelled/Registered Contractors of Oil PSUs for Tank & Pipeline Mechanical works – Tank, pipelines and other mechanical works at Depots / Terminal Consumer pumps / RDIs/ AFSs /Lube plants etc." OR "Any work of Tank & Pipeline, Pump, Valves for handling of Petroleum Products/Crude Oil/Fuel oil at Depots / Terminal Consumer pumps / RDIs/ AFSs /Lube plants etc." OR "Installation and/or Commissioning and /or Maintenance of Petrol Pump/Retail Outlet." OR "Erection and commissioning of fuel pipeline work in Indian Railway yard for fuelling purpose in Rolling Stocks"

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी निविदा दस्तावेज के साथ 26.11.2025 को 15:00 बजे तक वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकर्ताओं को अपनी ई-निविदा केवल इसी वेबसाइट पर जमा करनी होगी। (2) उपरोक्त ई-निविदा के लिए ई-टेंडरिंग के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके लिए निविदाकर्ताओं को तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर स्वयं को पंजीकृत कराना होगा। (3) केवल दर सूची में दर्ज और डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित दरों पर ही विचार किया जाएगा। यदि निविदाकर्ताओं द्वारा किसी अन्य वित्तीय इकाई में किसी अन्य शब्द/पत्र पर दरें संलग्न की जाती हैं, तो उन पर विचार नहीं किया जाएगा। (4) संलग्न किए जा रहे दस्तावेजों पर निविदाकर्ताओं द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किया होना चाहिए। (5) बोली सुरक्षा: सभी निविदाकर्ताओं/ठेकेदारों को इस निविदा के विरुद्ध बोली सुरक्षा/ईएमडी राशि का भुगतान IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों, जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। हालांकि, बोली सुरक्षा राशि या तो ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में या निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अनुसार जमा की जाएगी। बैंक गारंटी बांड अनुलग्नक-VIA के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। (6) निविदा निर्धारित समय एवं तिथि पर खोली जाएगी। यदि निर्धारित तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस को उसी समय खोली जाएगी। (7) किसी भी कठिनाई की स्थिति में, IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध सहायता केंद्र से संपर्क किया जा सकता है। (8) किसी भी सशर्त प्रस्ताव को तुरंत अस्वीकार कर दिया जाएगा। (9) प्रदत्त माल एवं/या सेवाओं के आपूर्तिकर्ता पर समय-समय पर लागू जीएसटी अधिनियम एवं नियम लागू होंगे। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2018/AC-II/1/6 दिनांक 12 मई 2017 के अनुसार)। (10) अन्य नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती हैं। 2033/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

उम्मीदों पर पानी

आखिरकार, लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित कृत्रिम बारिश का प्रयोग सिरे नहीं चढ़ सका है। अन्ततः दिल्ली में यह बहु–प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ाने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन–प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है। ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ाने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी। फिर भी यदि सरकार आगे बढ़ी तो निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकार की प्राथमिकता परिणामों के बजाय इससे मिलने वाले प्रचार को लेकर ज्यादा रही। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या दिल्ली सरकार समस्या के वास्तविक समाधानों की अनदेखी करते हुए कृत्रिम बारिश को सिरे चढ़ाने वाले महंगे विकल्पों पर दांव लगा सकती है? वास्तव में हमें प्रदूषण की जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। कृत्रिम बारिश एक फौरी विकल्प तो हो सकता है,लेकिन समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। वास्तव में आज जरूरत प्रदूषण उत्सर्जन के स्रोतों को बंद करने की है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करें। सरकार की प्राथमिकता वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, साल भर चलने वाले निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण अनुकूल मानदंडों को सख्ती से लागू करने की होनी चाहिए। सरकार को चाहिए था कि खर्चीली कृत्रिम बारिश की योजना को सिरे चढ़ाने के बजाय हवा को अधिक प्रभावी ढंग से साफ करने को तरजीह दी जाती। निर्विवाद रूप से यह असफल प्रयोग सत्ताधीशों की एक बड़ी बीमारी को भी दर्शाता है, जो प्रदूषण नियंत्रण को बतौर कारगर नीति लागू करने के बजाय उसके समाधान के प्रयासों को प्रचारित करने की प्रवृत्ति से ग्रसित हैं। दिल्ली की कई सरकारों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण कार्य में प्रगति कम हुई है और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करके लोकलुभावनी योजनाओं का ज्यादा प्रचार होता रहा है। ऐसी नीतियों को सिरे चढ़ाने में सख्त अनुशासन की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण के संकट का समाधान हेलीकॉप्टरों के जरिये आकाश में रसायन बिखेरने से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सुशासन, निरंतर योजना को क्रियान्वित करने और वैज्ञानिक उपायों को सिरे चढ़ाने में दृढ़ता दिखाने से होगा। कृत्रिम बारिश के इस प्रयोग की विफलता के बावजूद भविष्य में ऐसे प्रयोगों से हाथ पीछे खींचना भी उचित नहीं होगा। भले ही इस बार बादलों ने साथ नहीं दिया, लेकिन भविष्य में अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। इस प्रयोग का सबक है कि दिल्ली के लाखों लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये वैज्ञानिक संस्थानों और नागरिक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ ऐसी योजनाओं को सिरे चढ़ाना चाहिए।

देश के लिए शर्मिंदगी है ट्रंप का बयान

डॉ. दीपक पाचपोर

अगर ट्रंप पहली बार ऐसा कुछ कहते और मोदी सरकार किंकर्तव्यविमूढ़ की मुद्रा में होती, तब माना जा सकता था कि ऐसे किसी अप्रत्याशित बयान का जवाब देने के लिए सरकार तैयार नहीं थी।

एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक को–ऑपरेशन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा किया है। ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को महान नेता, सुंदर व्यक्तित्व, लड़ाका बताते हुए तारीफ तो की, लेकिन इस तारीफ के साथ यह कहते हुए शर्मिंदा भी कर दिया कि उन्होंने टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर भारत और पाक को युद्ध रोकने के मजबूर कर दिया था। ट्रंप ने केवल मोदी की तारीफ नहीं की, बल्कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भी तारीफ की. और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए कहा कि वो जबरदस्त फाइटर हैं। ट्रंप के बयान का यह वीडियो पूरी दुनिया में प्रसारित हो चुका है। अगर ट्रंप पहली बार ऐसा कुछ कहते और मोदी सरकार किंकर्तव्यविमूढ़ की मुद्रा में होती, तब माना जा सकता था कि ऐसे किसी अप्रत्याशित बयान का जवाब देने के लिए सरकार तैयार नहीं थी। लेकिन अमेरिका, जापान, सऊदी अरब, कतर, इजरायल, द.कोरिया हर जगह ट्रंप यही बात कहे जा रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को व्यापार रोकने की धमकी दी। दोनों देश परमाणु संपन्न हैं और युद्ध रुकना जरूरी था। इसलिए ट्रंप ने कहा कि आप लड़ाई रोको वर्ना हम व्यापार रोकेंगे और उसके बाद नरेन्द्र मोदी और शाहबाज शरीफ दोनों युद्ध विराम के लिए राजी हो गए। पाकिस्तान बेशक खुशी से इस तथ्य को स्वीकार करे कि उसने ट्रंप के सामने घुटने टेके हैं, लेकिन क्या भारत भी अब अपमान को सहज भाव से लेने लगा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा नरेन्द्र मोदी को मौका दिया था कि वे संसद के भीतर कह दें कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ कह रहे हैं और युद्धविराम उनके कहने पर नहीं हुआ था। अपनी ही देश की संसद से ज्यादा सुरक्षित स्थान नरेन्द्र मोदी के लिए नहीं हो सकता। अगर ट्रंप के डर का मुकाबला साथी सांसदों के साथ वे संसद के भीतर से करने की कोशिश करते तो शायद ट्रंप दुनिया भर में भारत का अपमान करते नहीं फिरते। लेकिन न जाने किन वजहों से नरेन्द्र मोदी आज तक ट्रंप को जवाब नहीं दे पाए हैं। क्या मोदी इस बात से खुश हैं कि ट्रंप ने उन्हें महान बताया, अच्छा मित्र और सुंदर व्यक्तित्व का बताया। लेकिन यही सारी बातें तो ट्रंप ने शाहबाज शरीफ के लिए भी कही हैं। बल्कि ट्रंप तो पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। जबकि यही जनरल मुनीर आए दिन भारत के लिए आग उगलते रहते हैं। अब तो बांग्लादेश के साथ मिलकर पाकिस्तान भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से आसिम मुनीर के डिप्टी शमशाद मिर्जा ने मुलाकात की। इस दौरान मो.युनूस ने एक किताब शमशाद मिर्जा को भेंट की। जिसमें ग्रेटर बांग्लादेश का मानचित्र है। लेकिन असल में इस मानचित्र में असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के कुछ भाग को बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। भारत के राज्यों को अपना हिस्सा बताना मासूम गलती नहीं हो सकती है। इसमें बांग्लादेश ने भारत के साथ झगड़ा बढ़ाने का एक और विषय तैयार कर लिया है, ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ खड़ा हुआ है। इस पूरी घटना के मद्देनजर जरा मोदी–शाह के बयानों को याद करें, जो अपनी हर चुनावी सभा में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उछालते हैं। अभी निर्वाचन आयोग ने देशव्यापी एसआईआर कराने का जो ऐलान किया है, उसका समर्थन करते हुए भाजपा के सारे नेता सबसे पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों को ही बाहर करने की बात करते हैं। जनता इन बयानों में बहक कर यह मानने लगती है कि देश में वाकई दीमक की तरह घुसपैठियों की आमद हो चुकी है, जो उनके हक को चट कर रही है। लेकिन जिस जमीन पर वाकई जनता का हक है, और उसे पड़ोसी देश अपना बता रहा है, उस पर सरकार का क्या कहना है, यह भी अब जनता को पूछ लेना चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाते ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। यह भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अब तक पाकिस्तान से ही भारत को खतरा रहता था, लेकिन इसमें बांग्लादेश का नाम और जुड़ जाए तो यह खतरे के बढ़ने का संकेत है। इसका पूरा फायदा चीन और अमेरिका को मिलेगा। वैसे भी ट्रंप अब चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा चुके हैं, यह घटना वैश्विक कूटनीति में बड़े यू–टर्न के रूप में देखी जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 27 अक्टूबर को यह घोषणा की है कि अमेरिका व चीन के बीच व्यापार समझौता होने जा रहा है। जो ट्रंप चीन के साथ ट्रेड और टैरिफ युद्ध छेड़ने की धमकी देकर पूरी दुनिया के व्यापार को प्रभावित करना चाहते थे, वो रेयर अर्थ मिनरल का दबाव पड़ते ही दोस्ती की जुबान बोलने लगे हैं। दुनिया में सबसे बड़ा इस्तेमाल करने के लिए तैयार रेअर अर्थ मिनरल्स यानी दुर्लभ खनिज का स्रोत चीन के अधीन है। और उसने इसे न केवल खनिज संसाधन, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन के हथियार के रूप में तब्दील कर दिया। इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर स्मार्ट फोन तक का कारोबार रेअर अर्थ मिनरल्स के बिना नहीं हो सकता है और रक्षा उपकरणों के निर्माण में भी रेअर अर्थ मिनरल अब जरूरी हो गया है। चीन ने रणनीतिक तौर पर रेअर अर्थ मिनरल्स के उत्पादन–निर्माण और परिशोधन में निवेश किया।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

योगेंद्र योगी

गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है। दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है। करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति–आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5: है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है जहाँ यह सबसे ज़्यादा ख़तरे में है। जिन राज्यों में उत्पीड़ित लोग अभी भी अपनी ष्यथास्थितिष बनाए हुए हैं, वहाँ हिंसा कम होती है, इसलिए नहीं कि जातिवाद मौजूद नहीं है, बल्कि इसलिए कि इसे चुनौती नहीं दी जाती। संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न रिपोर्टों में ऑनर किलिंग को विश्व में एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है, जो कि लैंगिक असमानता और पुरुष प्रधान समाजों में गहराई से निहित है। रिपोर्टों के अनुमान के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 5,000 ऑनर किलिंग होती हैं, जिनमें 20: मामले भारत में होते हैं, हालाँकि सटीक आंकड़े अज्ञात हैं क्योंकि सभी देश आधिकारिक डेटा नहीं रखते हैं। ये रिपोर्टें बताती हैं कि यह सिर्फ़ भारत की ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और यूरोप के देशों सहित अन्य क्षेत्रों की भी एक वैश्विक समस्या है। यह समस्या मुख्य रूप से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक है, लेकिन बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, मिस्र, भारत, ईरान, इराक, इटली, मोरक्को, पाकिस्तान, स्वीडन, सीरिया, तुर्की, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विभिन्न देशों में भी होती है। कई देशों में ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन अक्सर इन कानूनों का पालन नहीं किया जाता है या ये अपर्याप्त हैं। महिलाओं और लड़कियों के अलावा, एलजीबीटी समुदाय के लोग भी ऑनर किलिंग का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह समस्या मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और विशेष रूप से भारत में संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है। ऑनर किलिंग अन्य प्रकार की लैंगिक–आधारित हिंसा का ही एक रूप है, जैसे कि एसिड अटैक, यातना और अपहरण। भारत में जाति एक दोराहे पर खड़ी है। एक ओर, हम हिंसक प्रतिक्रियाएँ और ऑनलाइन महिमामंडन देख रहे हैं। दूसरी ओर, हम ऑनर किलिंग के खिलाफ मज़बूत लोकतांत्रिक आवाज़ें और सामाजिक मूल्यों से धीरे–धीरे दूर होती एक नई पीढ़ी देख रहे हैं। भारत में जाति और लिंगभेद आधारित समस्या नहीं गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक परिघटना है। जाति केवल इसलिए नहीं टिकती और फलती–फूलती है क्योंकि व्यक्ति उस पर ज़ोर देते हैं, बल्कि इसलिए भी कि परिवार, समुदाय और समूची सामाजिक संरचनाएँ, जानबूझकर या अनजाने में, उसे लागू और वैध बनाती रहती हैं। जातिगत सीमाओं को पार करने वाले प्रेम संबंध, खासकर वे जो दलित पुरुषों और प्रभुत्वशाली जाति की महिलाओं के बीच होते हैं। ये संबंध केवल प्रेम या विद्रोह का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि सदियों पुरानी जातिगत पदानुक्रमों को सीधी चुनौती देते हैं। ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है।

आर्थिक विकास यात्रा में चीन से क्यों पिछड़ा भारत

बलबीर पुंज

आज का कॉलम मेरे पिछले लेख 'भारत की आर्थिक यात्रा–समाजवाद से आत्मनिर्भरता तक' की अगली कड़ी है। तब मुझे व्यक्तिगत तौर पर कई पाठकों की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उनमें से अधिकांश का लब्बोलुआब यह था कि भारत तरक्की तो कर रहा है लेकिन वह आज भी चीन से बहुत पीछे है। इसके तीन बड़े कारण हैं। एक–स्वतंत्र भारत अब भी औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से जूझ रहा है, जो देश के नीतिगत निर्णयों और सार्वजनिक विमर्श को आज भी प्रभावित कर रहे हैं। दूसरा–आजादी के बाद से भारत वंशवादी राजनीति से ग्रस्त है, जो केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं है। ऐसे दलों का एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रहित न होकर जैसे–तैसे अपने संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति करना होता है, चाहे इसके लिए देश की संप्रभुता, सुरक्षा, एकता और अखंडता की भी बलि चढ़ानी पड़े। तीसरा–विदेशी वित्तपोषित तथाकथित आंदोलनों, प्रदर्शनों और एन.जी.ओ. से देश की विकास यात्रा और सुधार कार्यों को रोकने की कोशिशें होती रही हैं। जाति–मजहब आधारित राजनीति, कृषि कानूनों का विरोध और नागरिकता संशोधन अधिनियम पर भ्रामक अभियान आदि, ये सब इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। वहीं चीन एक अपारदर्शी व्यवस्था है, जिसमें अधिनायकवादी साम्यवाद और बेलगाम पूंजीवाद का मिश्रण है। उसकी घरेलू–विदेश नीति (साम्राज्यवाद सहित) सभ्यतागत राष्ट्रवाद और विशुद्ध देशहित से प्रेरित है। अमरीकी विद्वान एडवर्ड फ्राइडमैन के शब्दों में, 'चीन आज एक दक्षिणपंथी, जनवादी और अधिनायकवादी राष्ट्रवादी मशीन है।' यह विडंबना है कि भारत में राष्ट्रवाद को 'संकीर्णता' या 'सांप्रदायिकता' कहा जाता है। चीन में क्षेत्रीय स्वायत्तता, मजहबी स्वतंत्रता, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण या व्यक्तिगत आजादी जैसे मूल्य तब तक स्वीकार्य हैं, जब तक वे उसके व्यापक लक्ष्यों में सहायक हैं। अगर कोई भी तत्व चीन के मकसद में बाधा बनता है, तो उससे सख्ती से निपटा जाता है। वर्ष 1985 में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं लगभग समान स्तर पर थीं। तब चीन के सर्वोच्च नेता देंग शियाओपिंग थे, जिन्होंने 1978 से सुधारों की दिशा तय की। उनके बाद जियांग जेमिन (1989–2002), हू जिंताओ (2002–2012) और पिछले 13 वर्षों से शी जिनपिंग सत्ता में हैं। यानी पिछले 40 वर्षों में चीन के केवल 4 शीर्ष नेता हुए, जिनके हाथ में देश का पूरा नियंत्रण रहा। इसके विपरीत भारत में इसी अवधि के दौरान 9 प्रधानमंत्री हुए। इनमें से कई का कार्यकाल अधूरा या निर्बल रहा। केवल राजीव गांधी (1984–89), पी.वी. नरसिम्हा राव (1991–96), अटल बिहारी वाजपेयी (1998–2004) और नरेंद्र मोदी (2014 से अब तक) ने ही प्रभावी शासन दिया। डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यकाल (2004–2014) स्वतंत्र भारत का सबसे भ्रष्ट कालखंड है। उन्हें दिशा–निर्देश असंवैधानिक 'राष्ट्रीय सलाहकार परिषद' से मिलते थे, जिसका नेतृत्व तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी कर रही थीं और जिसमें ऐसे लोग शामिल थे, जिनका देशहित से कम, अपने वैचारिक एजैंडों (वामपंथी सहित) से सरोकार अधिक था। वर्ष 2000 में चीन की अर्थव्यवस्था 1.2 ट्रिलियन डॉलर की थी, जो 2025 तक बढ़कर लगभग 19 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यानी 25 वर्षों में 15 गुना वृद्धि। इसी अवधि में भारत की जी.डी.पी. लगभग आधी ट्रिलियन से बढ़कर 4.1 ट्रिलियन डॉलर हो पाई, लगभग 8 गुना वृद्धि। फोर्ब्स पत्रिका ने 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया था कि 1985 में चीन और भारत दोनों की प्रति व्यक्ति आय (जी.डी.पी.) 293 डॉलर थी। फिर 4 दशकों में इतना भारी अंतर कैसे आ गया? इसका एक कारण दोनों देशों के बांध निर्माण में देखने को मिल जाता है। चीन ने यांग्त्जी नदी पर 22,500 मैगावाट क्षमता वाला 'थ्री गॉर्जेस बांध' लगभग एक दशक में पूरा कर लिया था। इससे 13 नगर, 140 कस्बे और 1,350 गांव डूब गए, तो लगभग 13 लाख चीनी विस्थापित हुए। भारत की गुजरात में सरदार सरोवर परियोजना, जिसकी क्षमता केवल 1,450 मैगावाट है और जिसने तुलनात्मक रूप से 178 गांवों के सीमित लोगों को प्रभावित किया– उसे पूरा होने में 56 वर्ष लगे। 1961 में पं. नेहरू ने इसका शिलान्यास किया था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 में उद्घाटन। इतना विलंब इसलिए हुआ, क्योंकि 1985 से मेधा पाटकर के नेतृत्व में 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' ने पर्यावरण–मानवाधिकार की दुहाई देकर परियोजना को रोकने का प्रयास शुरू कर दिया था। इसमें भारतीय न्यायिक प्रक्रिया का भी दुरुपयोग किया गया। विडंबना यह रही कि बांध निर्माण रोकने वालों को देश–विदेश में नाम, सम्मान और पुरस्कार मिलते गए, यहां तक कि उन पर फिल्में भी बनीं। लेकिन जिन लाखों लोगों को पीने और सिंचाई के लिए नर्मदा के पानी का इंतजार था, वे दशकों तक उससे वंचित रह गए और पानी यूं ही अरब सागर में बहता रहा। यह साजिश सरदार सरोवर बांध तक सीमित नहीं है। वर्ष 2018 में स्टरलाइट कॉपर प्लांट (तूतीकोरिन) बंद ही हो गया था। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि एक वर्ष में भारत, जो विश्व के शीर्ष तांबा निर्यातकों में था, वह शुद्ध आयातक बन गया। यह स्थापित करता है कि पर्यावरण–मानवाधिकार पर भ्रमजाल कैसे भारतीय आध्यकी को कमजोर करने के हथियार बनते हैं। बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2012 में कुडनकुलम परमाणु संयंत्र पर चल रहे विरोध के संदर्भ में कहा था–'अधिकांश एन.जी.ओ., जो अमरीका से संचालित हैं, हमारे ऊर्जा कार्यक्रम से खुश नहीं हैं।' ऐसी ही साजिश केरल के विझिंजम बंदरगाह आंदोलन में भी देखने को मिली थी। तब 2022 में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि यह विरोध 'स्थानीय मछुआरों का नहीं, बल्कि सुनियोजित आंदोलन' प्रतीत होता है। वर्ष 1984 में मार्क्सवादी नेता प्रकाश कारत ने चेताया था कि विदेशी धन प्राप्त करने वाले सभी संगठनों की जांच होनी चाहिए। क्या भारत और चीन के बीच विकास का अंतर समाप्त हो सकता है? क्या वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को पा सकता है? निरूसंदेह भारतीय इसे प्राप्त करने की क्षमता रखते हैं, क्योंकि भारत एक कालजयी सभ्यता है, जिसका वारिस होने के कारण स्वाभाविक रूप से उद्यमी, बुद्धिमान और परिश्रमी हैं। परंतु इसके लिए भारतीयों को अपने सभी निर्णय वंशवादी राजनीति और विचारधाराओं के झंझावत को भूलकर शुद्ध राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर लेने होंगे। क्या वर्तमान परिदृश्य में ऐसा संभव लगता है?

`शिरडी के साईं बाबा' फेम सुधीर दलवी के इलाज के लिए रिद्धिमा साहनी ने दी मदद, हुईं ट्रोल तो बोलीं-हर चीज दिखावे के लिए नहीं..

शिरडी के साईं बाबा' में साईं बाबा का किरदार निभाकर घर–घर में पहचान बनाने वाले दिग्गज एक्टर सुधीर दलवी इन दिनों गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। 86 वर्षीय सुधीर दलवी 8 अक्टूबर से मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं, जहां वह जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच उनकी आर्थिक हालत भी बेहद खराब बताई जा रही है। जैसे ही सुधीर दलवी के बारे में रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा साहनी को खबर हुई तो उन्होंने उन्हें तुरंत मदद भेजी। हालांकि, बाद में जब वह यूजर्स के निशाने आ गई तो उन्होंने लोगों को बड़ी शालीनता से जवाब भी दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुधीर दलवी के इलाज में अब तक 10 लाख रुपये से अधिक खर्च हो चुका है और खर्च 15 लाख रुपये की और भी जरुरत बताई जा रही है। ऐसे में आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार ने आम जनता और इंडस्ट्री से मदद की अपील की है ताकि एक्टर का इलाज जारी रखा जा सके। सुधीर दलवी की खराब तबीयत की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्रिटीज ने चिंता जताई। इसी बीच, ऋषि कपूर की बेटी और रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी सबसे पहले मदद के लिए आगे आईं। उन्होंने एक्टर के लिए आर्थिक सहायता भेजी और एक सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा– हो गया..जल्द ठीक होने के दुआ करते हैं.उनके इस कदम की जहां कई लोगों ने जमकर सराहना की, वहीं कुछ यूजर्स ने इस पर सवाल भी उठाए। एक सोशल मीडिया यूजर ने रिद्धिमा की टिप्पणी पर तंज कसते हुए लिखा दृ"अगर मदद की है तो यहां बताने की क्या जरूरत थी... फुटेज चाहिए?" इस पर रिद्धिमा कपूर साहनी ने बेहद शालीनता से जवाब देते हुए कहा–"जिंदगी में हर चीज दिखावे के लिए नहीं होती। जरूरतमंद की मदद करना अपने आप में एक आशीर्वाद है।" उनके इस जवाब को लोगों ने खूब सराहा और कई यूजर्स ने उनकी सोच की तारीफ की। बता दें, सुधीर दलवी भारतीय सिनेमा और टीवी जगत के उन चुनिंदा कलाकारों में से हैं जिन्होंने दशकों तक अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। 1977 में मनोज कुमार की शिरडी के साईं बाबा फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली। इसके अलावा, सुधीर को रामायण में गुरु वशिष्ठ के रोल में देखा गया था। इसके अलावा उन्होंने टीवी सीरियल विष्णु पुराण में ब्रह्मा और क्योंकि सास भी कभी बहू थी में तुलसी के ससुर गोवर्धन वीरानी का भी किरदार निभाया है। अपने करियर में वह अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना जैसे बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुके हैं।

> "एक सोशल मीडिया यूजर ने रिद्धिमा की टिप्पणी पर तंज कसते हुए लिखा दृ"अगर मदद की है तो यहां बताने की क्या जरूरत थी... फुटेज चाहिए?" इस पर रिद्धिमा कपूर साहनी ने बेहद शालीनता से जवाब देते हुए कहा-"जिंदगी में हर चीज दिखावे के लिए नहीं होती। जरूरतमंद की मदद करना अपने आप में एक आशीर्वाद है।"

संजय मिश्रा की दुल्हनिया बनीं 52 साल की महिमा चौधरी? एक्टर संग लाल जोड़े में पैपराजी को पोज देती दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से फिल्मी दुनिया से दूर रहीं महिमा ने हाल ही में अपने ब्राइडल लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वे दुल्हन के लिबास में दिखाई दे रही हैं, जिससे लोगों में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या उन्होंने सच में शादी कर ली है। हाल ही में महिमा चौधरी को एक इवेंट में लाल दुल्हन के जोड़े में देखा गया, जहां वो दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा के साथ नजर आईं। दोनों ने मीडिया के सामने साथ में पोज दिए और मुस्कुराते हुए कैमरों के लिए तस्वीरें खिंचवाईं।वीडियो में महिमा बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने वहां मौजूद पैपराजी से कहा–"आप सब मिठाई खाकर ही जाना।" यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और फैंस यह सोचने लगे कि क्या महिमा ने सच में दूसरी शादी कर ली है। लोगों की उत्सुकता को देखते हुए अब इस वायरल वीडियो का सच सामने आ गया है। दरअसल, यह कोई असली शादी नहीं, बल्कि उनकी आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' की प्रमोशनल एक्टिविटी थी। इस फिल्म में संजय मिश्रा मुख्य किरदार निभा रहे हैं, जबकि महिमा चौधरी उनकी दूसरी पत्नी के रोल में नजर आएंगी। फिल्म का यह यूनिक प्रमोशन स्टाइल काफी असरदार साबित हुआ है और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रहा है।

'रामायण' में राम की भूमिका के लिए हो रही रणबीर कपूर की आलोचना को सद्गुरु ने बताया गलत, कहा-वह कल किसी और फिल्म में..

भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे भव्य और विशाल फिल्म बनने जा रही है और वो है नितेश तिवारी की 'रामायण'। इस फिल्म ने अपनी घोषणा के साथ ही देशभर में जबरदस्त उत्साह और चर्चा पैदा कर दी थी। इस मेगा फिल्म से बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे जुड़े हुए हैं। बॉलीवुड एक्टर इसमें भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, पिछले कुछ समय से कुछ रणबीर की कास्टिंग पर सवाल उठा रहे हैं। इन सबके बीच आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु अब एक्टर के सपोर्ट में सामने आए हैं। हाल ही में फिल्ममेकर नमित मल्होत्रा के साथ बातचीत के दौरान, सद्गुरु ने रणबीर कपूर के खिलाफ हो रही आलोचना को गलत बताया। नमित ने कहा, लोग अतीत की बातें निकालकर पूछ रहे हैं कि रणबीर कपूर रामायण में श्री राम का किरदार कैसे निभा सकते हैं। इस पर सद्गुरु ने कहा, यह एक एक्टर के बारे में गलत है क्योंकि उसने अतीत में किसी न किसी रूप में अभिनय किया है। आप उससे राम बनने की उम्मीद नहीं कर सकते? कल किसी और फिल्म में वह रावण का किरदार निभा सकता है। सद्गुरु ने रावण के रूप में यश की कास्टिंग के बारे में बात करते हुए कहा, यश एक सुंदर इंसान हैं। इस पर नमित ने भी कहा, यश एक बहुत ही सुंदर इंसान हैं और देश के एक बहुत ही प्रतिभाशाली सुपरस्टार हैं। हम रावण के सभी पहलुओं, उनकी भक्ति, उनकी गहराई को दिखाना चाहते हैं, जो केवल यश ही कर सकते हैं। पिछले दिनों खबर सामने आई थी कि रणबीर ने रामायण के लिए अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करने का फैसला किया है। खबर है कि एक्टर अपने किरदार के आध्यात्मिक अनुशासन को अपनाने के लिए सख्त सात्विक आहार, सुबह जल्दी वर्कआउट और ध्यान कर रहे हैं। उन्होंने शराब छोड़ दी है, साथ ही वो शाकाहारी भी हो गए हैं। बता दें कि नितेश तिवारी की 'रामायण' दो पार्ट्स में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा दिवाली 2027 में रिलीज होगा। फिल्म में राम की भूमिका में रणबीर कपूर और सीता के किरदार में साई पल्लवी नजर आएंगी। वहीं रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान के किरदार में दिखेंगे।

अभिषेक बच्चन पर लगा फिल्मफेयर का अवॉर्ड खरीदने का आरोप, एक्टर ने समझदारी से जवाब देकर की बोलती बंद–खून–पसीना और आँसू..

मेगास्टार अमिताभ बच्चन के बेटे व फेमस बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन को पिछले दिनों बेस्ट एक्टर के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, जिसे लेकर वो खूब चर्चा में रहे। वहीं, कई लोगों ने एक्टर पर यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी छवि बनाने के लिए यह अवॉर्ड खरीदा है। ऐसे आरोपों से आहत अभिषेक बच्चन ने हाल ही में अपनी चुप्पी तोड़ी है और ऐसा कहने वालों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, एक पत्रकार ने अभिषेक बच्चन पर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था, वह भले ही एक मिलनसार इंसान हैं, लेकिन मुझे यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि प्रोफेशनल तौर पर अवॉर्ड्स खरीदना और पीआर को अग्रेसिव तौर पर बनाए रखना काफी काम आता है। भले ही आपके करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर न हो। इसके अलावा ये भी कहा गया था कि आई वॉट टू टॉक के लिए मिले अवॉर्ड को पीआर के अलावा किसी ने नहीं देखा। इन आरोपों पर जवाब देते हुए अभिषेक बच्चन ने लिखा, बस रिकॉर्ड साफ करने के लिए। मैंने कभी कोई पुरस्कार नहीं खरीदा या कोई प्रचार नहीं किया। बस कड़ी मेहनत, खून–पसीना और आँसू। लेकिन, मुझे शक है कि आप मेरी कही या लिखी किसी भी बात पर आप विश्वास करेंगे तो... आपको चुप कराने का सबसे अच्छा तरीका है कि मैं और भी ज्यादा मेहनत करूँ ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी उपलब्धि पर आपको फिर कभी शक न हो। मैं आपको गलत साबित कर दूँगा! पूरे सम्मान और सौम्यता के साथ। अभिषेक बच्चन का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और उनके फैंस को उनका जवाब काफी पसंद आ रहा है।बता दें, अभिषेक बच्चन को उनकी फिल्म 'आई वांट टू टॉकश में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ एक्टर के फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नहीं था.. अंडरवर्ल्ड डॉन पर ममता कुलकर्णी का विवादित बयान

एक्ट्रेस से साध्वी बनी ममता कुलकर्णी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ग्लैरस वर्ल्ड छोड़ अध्यात्मिक राह पर चली ममता अपने बड़े बयानों को लेकर चर्चा बटोरती हैं। हाल ही में फिर वो दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए एक बयान को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में जब उनसे गोरखपुर में दाऊद इब्राहिम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, श्मेरा दाऊद से दूर–दूर तक कोई लेना देना नहीं था। किसी एक का नाम जरूर था, लेकिन आप देखोगे उसने कोई बम ब्लास्ट या एंटी नेशनल चीज नहीं की थी। देश के अंदर, मैं उनके साथ तो नहीं हूं... वह टेररिस्ट नहीं था, जिनके साथ आप मेरा नाम लेते हो, उन्होंने मुंबई में बम ब्लास्ट नहीं किया। दाऊद को मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिली।श इस बयान के बाद ममता कुलकर्णी खूब सुर्खियों में हैं। दरअसल, ममता कुलकर्णी का नाम विक्की गोस्वामी के साथ जुड़ा रहा है, माना जा रहा है कि दाऊद के सवाल पर विक्की गोस्वामी का नाम लिए बिना कहा कि वो आतंकवादी नहीं थे। ऐसे में दाऊद इब्राहिम के समर्थन में ममता के चौकाने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। अपने ही बयान पर ममता कुलकर्णी ने सफाई देते हुए कहा कि बयान को ठीक तरीके से सुने और साधु–संत विवेक का इस्तेमाल करें। उनका नाम कभी दाऊद से नहीं जुड़ा... कुछ समय के लिए विक्की गोस्वामी से जुड़ा, लेकिन उसका नाम कभी देश विरोधी गतिविधियों में नहीं आया। बता दें, ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर यमाई किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी किन्नर के साथ गोरखपुर के पीपीगंज में आयोजित एक कार्यक्रम का हिस्सा बनी थीं। 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली ममता अब संन्यास ले चुकी हैं और अब महामंडलेश्वर यमाई ममता नंदगिरी बन गई हैं।

पार्लर जैसे महंगे फेशियल को कहें ना, घर पर आलू से पाएं गजब का निखार

हर कोई चाहता है कि उनकी स्किन ग्लोइंग और हेल्दी नजर आए। क्योंकि अगर चेहरे पर निखार होगा, तो मेकअप करने के भी ज्यादा जरूरत नहीं होगी और आपका फेस भी खूबसूरत नजर आएगा। खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं पार्लर में महंगे–महंगे ट्रीटमेंट लेती हैं। ऐसे में आप घर पर ही होममेड फेस पैक बनाकर अपनी स्किन की खोई निखार वापस पा सकती हैं। यकीन मानिए यह फेस पैक आपके चेहरे को इतना निखार देगा कि आपको पार्लर जाकर फेशियल कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बता दें कि आलू के ब्लीचिंग गुण डार्क स्पॉट्स, पिग्मेंटेशन और डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से आलू का फेस पैक बनाकर फेस पर लगा सकती हैं।

आलू का फेस पैक

आलू और शहद का फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए आलू को घिसकर इसका रस निकाल लें। फिर 2–3 चम्मच आलू के रस में एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने फेस पर 20 मिनट के लिए अप्लाई करें। इस फेस पैक से आपकी स्किन पर गजब का निखार आएगा।

आलू और दही

आलू को घिसकर या फिर पीसकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में एक चम्मच दही मिलाएं। अब इस फेस पैक को 20–25 मिनट लगाकर रखें। इस फेस पैक से स्किन की सारी गंदगी निकल जाएगी।

आलू और बेसन

आलू का फेस पैक स्किन को निखारने में बेहद असरदार माना जाता है। इसके लिए आलू को पीसकर एक चम्मच रस निकाल लें। फिर इस रस में बेसन मिलाएं और पेस्ट बनाने के लिए थोड़ा सा पानी मिलाएं। इस पेस्ट को फेस पर करीब 15 मिनट के लिए लगाकर रखें। इससे डेड स्किन सेल्स निकल जाएंगी और चेहरे पर निखार आएगा। साथ ही इस फेस पैक से आपकी स्किन भी मुलायम हो जाएगी।

आलू और मुल्तानी मिट्टी

जिन लोगों की त्वचा ऑयली है, उनके लिए आलू और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में आलू का रस मिलाएं। अब इस पेस्ट को फेस पर अप्लाई करें। इस फेस पैक को 20 मिनट तक लगाकर रखें और फिर फेस वॉश कर लें।

आलू और एलोवेरा

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो त्वचा को नमी देने के लिए सूदिंग गुणों वाला यह फेस पैक अप्लाई करें। इसके लिए एक कटोरी में आलू का रस लें और उसमें बराबर मात्रा में एलोवेरा जेल मिलाएं। इस फेस पैक को 15–20 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें और फिर फेस वॉश कर लें। इस फेस पैक से आपके चेहरे पर गजब का निखार आएगा।

बाल तोड़: दिखने में मामूली लेकिन असर गंभीर, क्या आप भी हैं इसके शिकार?

शरीर पर निकलने वाले छोटे–छोटे लाल या सफेद दाने अक्सर लोग मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह छोटी सी समस्या कई बार बड़े खतरे में बदल सकती है? दरअसल, यह "बाल तोड़" नामक स्किन इंफेक्शन होता है, जो अगर सही समय पर ठीक न किया जाए, तो दर्दनाक फोड़े में बदल सकता है।

क्या है बाल तोड़?

बाल तोड़ एक सामान्य त्वचा संबंधी संक्रमण है, जो बालों की जड़ में बैक्टीरिया के कारण होता है। जब बाल की जड़ में गंदगी, पसीना या बैक्टीरिया फंस जाता है, तो वहां सूजन और पस बन जाता है। यह शुरुआत में छोटे लाल दाने जैसा दिखता है, जो धीरे–धीरे फोड़े में बदल सकता है।

किन लोगों को जल्दी होता है बाल तोड़?

डायबिटीज के मरीजों में: क्योंकि उनकी इम्युनिटी कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी फैलता है।

जिन्हें ज्यादा पसीना आता है: लगातार नमी रहने से बैक्टीरिया को पनपने का मौका मिलता है।

जो लोग टाइट कपड़े पहनते हैं: हवा न लगने से त्वचा पर गर्मी और बैक्टीरियल ग्रोथ बढ़ती है।

बार–बार शेविंग करने वाले लोग: रेजर से स्किन पर कट लगने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

दरअसल, पसीना, धूल और टाइट कपड़ों की वजह से बालों की जड़ों में बार–बार रगड़ और नमी बनी रहती है, जिससे यह संक्रमण आसानी से फैल जाता है।

बाल तोड़ के लक्षण

बाल तोड़ की शुरुआत आमतौर पर त्वचा पर छोटे–छोटे लाल या सफेद दानों के रूप में होती है। इन दानों के साथ हल्की खुजली, जलन या दर्द महसूस हो सकता है। कई बार ये दाने पस से भरे छोटे फोड़े का रूप ले लेते हैं। अगर संक्रमण बढ़ जाए तो त्वचा पर गहरे निशान या दाग भी पड़ सकते हैं। शुरुआत में यह समस्या मामूली लगती है, लेकिन अगर इन दानों को अनदेखा किया जाए और वे आपस में मिलकर बड़ा फोड़ा बना लें, तो यह स्थिति काफी दर्दनाक और असहज हो सकती है।

कितना खतरनाक हो सकता है बाल तोड़?

अधिकतर मामलों में बाल तोड़ अपने आप ठीक हो जाता है, लेकिन अगर संक्रमण गहराई तक पहुंच जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है। कमजोर इम्युनिटी या डायबिटीज वाले लोगों में यह त्वचा के नीचे फैलकर बना सकता है, जिसमें तीव्र दर्द और बुखार जैसी स्थिति भी हो सकती है। अगर इसका सही इलाज न किया जाए, तो स्किन पर स्थायी निशान भी रह सकते हैं।

कैसे करें बचाव?

रोज नहाएं और पसीना आने के बाद शरीर को अच्छी तरह साफ करें।

दूसरों के रेजर, तौलिया या कपड़े इस्तेमाल करने से बचें।

टाइट कपड़ों की बजाय हल्के और हवा पार करने वाले कपड़े पहनें।

शेविंग के बाद स्किन को डिसइंफेक्ट करना न भूलें।

अगर बार–बार फोड़े निकलते हैं, तो डॉक्टर से एंटीबैक्टीरियल ट्रीटमेंट या स्किन कल्चर टेस्ट करवाएं। बाल तोड़ भले ही मामूली लगे, लेकिन अगर इसे समय पर ठीक न किया जाए तो यह गंभीर संक्रमण बन सकता है। सही स्वच्छता, हल्के कपड़े और व्यक्तिगत सामान की साफ–सफाई से इससे बचाव पूरी तरह संभव है।

गुड़ और शहद जानें, किसका सेवन देगा आपकी सेहत को अधिक लाभ?

जब बात हेल्दी फूडस की होती है, तो गुड़ और शहद दोनों का नाम सबसे पहले आता है। गुड़, जो गन्ने से बनाया जाता है, न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम और कई आवश्यक मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करने के साथ–साथ पाचन में भी मदद करते हैं। दूसरी ओर, शहद एक प्राकृतिक मिठास है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ाने और स्वास्थ्य के कई लाभों के लिए जाने जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या गुड़ ज्यादा फायदेमंद है या शहद? क्या गुड़ का कम कैलोरी होना और शहद का ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने का गुण आपके लिए अधिक महत्वपूर्ण है? आज हम इन दोनों के स्वास्थ्य लाभों, पोषण सामग्री और विशेषताओं का विश्लेषण करेंगे, ताकि आप अपने लिए सही विकल्प चुन सकें।

आइए, जानें कि गुड़ और शहद में से कौन है सेहत का असली राजा!

गुड़ के फायदे

गुड़, गन्ने से बनता है और इसे भारतीय परंपरा में मिठास के साथ–साथ सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। गुड़ में प्राकृतिक शर्करा होती है, जो ऊर्जा प्रदान करती है। यह शरीर को तुरंत ऊर्जा देती है और थकान को दूर करने में मदद करती है। गुड़ में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं। यह शरीर की शक्ति को बढ़ाने में सहायक है।गुड़ पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। यह आंतों को साफ रखता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

शहद के फायदे

शहद, फूलों से प्राप्त एक प्राकृतिक उत्पाद है, जिसमें अद्भुत औषधीय गुण होते हैं। शहद में उच्च मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। यह इम्यूनिटी को बढ़ाने में भी मदद करता है। शहद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स गुड़ की तुलना में कम होता है। इससे यह धीरे–धीरे शरीर में अवशोषित होता है, जिससे ब्लड शुगर स्तर नियंत्रित रहता है। शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं और पेट की समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

किसमे ज्यादा कैलोरी

गुड़ में शहद की तुलना में कम कैलोरी होती है। इसलिए, यदि आप वजन घटाने के लिए कैलोरी कम करना चाहते हैं, तो गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। शहद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स गुड़ से कम है, जिससे यह डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। शहद में पाचन एंजाइम होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करते हैं, जबकि गुड़ में मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। शहद पेट की समस्याओं को दूर करने में सहायक है, जबकि गुड़ धीरे–धीरे पचता है और लंबे समय तक भूख को नियंत्रित रखता है।

दोनों के सेवन से महत्वपूर्ण लाभ

गुड़ और शहद दोनों में सेहत के लिए महत्वपूर्ण लाभ हैं। यदि आप शुगर नियंत्रण और जल्दी पचने वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो शहद सबसे अच्छा है। वहीं, यदि आपको ऊर्जा और मिनरल्स की जरूरत है, तो गुड़ आपके लिए बेहतर हो सकता है। दोनों का सेवन संतुलित मात्रा में करना ही सबसे अच्छा है, ताकि आप इनके सभी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें। यदि आपको कोई विशेष स्वास्थ्य समस्या है, तो हमेशा अपने डॉक्टर से परामर्श लें और उनके निर्देशों के अनुसार ही खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इन दोनों प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें और सेहतमंद जीवन जीने की ओर कदम बढ़ाएं!

एंटी-एजिंग से लेकर मुंहासों तक का इलाज! सहजन की पत्तियों में छुपा है खूबसूरत त्वचा का राज

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण स्किन प्रॉब्लम की समस्या बढ़ जाती है। चेहरे से पिंपल्स और झुर्रियां गायब करने के लिए लोग महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी अच्छा रिजल्ट नहीं मिलता है। अगर आप चेहरे से पिंपल्स और रिंकल्स को हटाना चाहते हैं, तो सहजन की पत्तियों का फेस पैक लगा सकते हैं। ज्यादातर लोगों ने सहजन की सब्जी खाई होगी, यह सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। स्किन पर सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल करने से पिपंल्स कम हो जाते हैं और चेहरे से झुर्रियां गायब हो जाती हैं।

इसका फेस पैक त्वचा के लिए बेहद ही फायदेमंद होता है। यह आपके कील–मुंहासों से लेकर कालेपन तक को ये दूर करने में मदद करेगा। मोरिंगा की पत्तियां स्किन प्रॉब्लम को दूर करता है। सहजन की पत्तियों में विटामिन ए, सी और बी कॉम्प्लेक्स होते हैं। इसके साथ ही इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, प्रोटीन और मैग्नीशियम भी होता है। आइए आपको बताते हैं इसे सही से कैसे लगाएं।

रंगत सुधारने में मदद करता

मोरिंगा की पत्तियों को चेहरे पर इस्तेमाल करने से चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करता है। इसके यूज से स्किन पोर्स खुलते हैं और चेहरे पर चमक आती है।

पिंपल्स से छुटकारा मिलता है

अगर आप पिंपल्स की समस्या से परेशान हैं, तो सहजन की पत्तियों के इस्तेमाल से चेहरे पर चमक आएगी और कील–मुंहासे दूर हो जाएंगे। क्योंकि इसमें एंटी–बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पिंपल्स होने से रोकते हैं।

स्किन टाइट होती है

मोरिंग लीव्स चेहरे से झुर्रियों दूर करता है और स्किन में कसावट लेकर आती है। आपकी लूज त्वचा को कसावट लाने में सहायक करता है।

स्किन हाइड्रेटेड करता है

सहजन पत्तियों के इस्तेमाल करने से आपकी स्किन को पोषण मिलता है। फेस पैक इस्तेमाल करने से चेहरा ग्लोइंग बनेंगी। यह आपकी स्किन को खिली–खिली बनाता है और ड्राईनेस को दूर करता है।

काले घेरे को दूर करता

अगर आप आंखों के किनारे पड़े हुए काले घेरों से परेशान है, तो सहजन की पत्तियों से छुटकारा मिल जाएगा। यह आई पैक आपके डार्क सर्कल्स को दूर करेगा।

कैसे बनाएं सहजन की पत्तियों का फेस पैक

सबसे पहले आप सहजन की पत्तियों को पीसकर लेप की तरह पैक बनाएं। इसके लिए शहद, नींबू का रस और गुलाब जल या कच्चा दूध मिलाकर पैक तैयार करें। चेहरे पर 20–30 मिनट तक इस पैक को लगाएं और इसे छोड़ दें। इसके बाद आप पानी से मुंह धो लें।

संक्षिप्त

एयर इंडिया को जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञता, सहायता देगी सिंगापुर एयरलाइंस

सिंगापुर एयरलाइंस ने शुक्रवार को कहा कि एक महत्वपूर्ण अल्पांश शेयरधारक होने के नाते वह एयर इंडिया को जरूरत के हिसाब से अपनी विशेषज्ञता और मदद मुहैया कराएगी। यह टिप्पणी उन रिपोर्ट के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि एयर इंडिया ने टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की मांग रखी है। घाटे में चल रही एयर इंडिया का स्वामित्व टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस के पास है। एयरलाइन को हाल के दिनों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक में एयर इंडिया का बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 260 लोग मारे गए। सिंगापुर एयरलाइंस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया में महत्वपूर्ण अल्पांश शेयरधारक होने के नाते सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) एयर इंडिया के कायाकल्प कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए अपने सहयोगी टाटा संस के साथ मिलकर काम कर रही है। इसमें जरूरत पड़ने पर एयर इंडिया को अपनी विशेषज्ञता और सहायता देना भी शामिल है। यह बयान एयर इंडिया को धन उपलब्ध कराने की खबरों से संबंधित एक सवाल के जवाब में दिया गया था। प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी न देते हुए कहा कि एयर इंडिया के परिचालन और वित्तीय जरूरतों के बारे में किसी खास जानकारी के लिए एयर इंडिया से ही संपर्क करना चाहिए। एयर इंडिया और टाटा संस की ओर से वित्तपोषण योजनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस ने 2024–25 में एयर इंडिया में 9,558 करोड़ रुपये का निवेश किया थी, जिसमें प्रवर्तकों ने इस साल मार्च में अकेले 4,306 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने बुधवार को कहा था कि समग्र यात्रा मांग को प्रभावित करने वाली कई अनिश्चितताएं हैं, लेकिन इससे एयरलाइन की वृद्धि यात्रा थमने वाली नहीं है।

मारुति सुजुकी का जुलाई–सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 3,349 करोड़ रुपये

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड का जुलाई–सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 3,349 करोड़ रुपये हो गया। वाहन विनिर्माता कंपनी को पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 3,102.5 करोड़ रुपये रहा था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी परिचालन आय 42,344.2 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 37,449.2 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च सालाना आधार पर 33,879.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 39,018.4 करोड़ रुपये हो गया।

एनवीडिया बनी दुनिया की पहली 5 ट्रिलियन डॉलर कंपनी

दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया ने इतिहास रचते हुए 5 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैपिटलाइजेशन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि किसी भी कंपनी के लिए अब तक की सबसे बड़ी मानी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि एनवीडिया का यह मूल्यांकन अब भारत की पूरी जीडीपी से भी बड़ा हो गया है, जो करीब 4.2 ट्रिलियन डॉलर के आसपास है। बुधवार (29 अक्टूबर) को अमेरिकी बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में करीब 4: की तेजी दर्ज की गई, जिसके बाद इसका बाजार मूल्य 5.05 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बता दें कि एनवीडिया अब वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।ै) क्रांति की सबसे बड़ी अगुआ बन चुकी है। यह उपलब्धि उसे एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे दिग्गज टेक दिग्गजों से भी आगे ले गई है। कंपनी ने केवल तीन महीने पहले 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था, और अब 5 ट्रिलियन तक की छलांग ने यह साबित कर दिया है कि एआई तकनीक विश्व अर्थव्यवस्था में किस तरह का बदलाव ला रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने बताया कि कंपनी को अगले चार वर्षों के लिए 500 बिलियन डॉलर के एआई चिप ऑर्डर मिले हैं, जो इसकी तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाता है। इन चिप्स का इस्तेमाल सुपरकंप्यूटर, डाटा सेंटर से लेकर सेल्फ–ड्राइविंग कारों तक में किया जा रहा है। गौरतलब है कि कंपनी ने हाल ही में अमेरिकी ऊर्जा विभाग के लिए सात एआई सुपरकंप्यूटर बनाने की घोषणा की है। इसके अलावा, एनवीडिया अब उबर के साथ मिलकर ऑटोनॉमस व्हीकल तकनीक को तेज करने पर काम कर रही है और नोकिया में 1 बिलियन डॉलर का निवेश करके 6जी नेटवर्क और एज एआई कंप्यूटिंग के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही है। एनवीडिया की यह कामयाबी केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि तकनीकी नेतृत्व के लिहाज से भी ऐतिहासिक मानी जा रही है। गेमिंग ग्राफिक्स चिप निर्माता से लेकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की दिग्गज कंपनी बनने तक का इसका सफर तकनीकी दुनिया में बदलाव का प्रतीक बन गया है। कंपनी का यह विकास इस बात का संकेत है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था में एआई कितना निर्णायक रोल निभाने जा रहा है। अगर इसके इतिहास पर नजर डालें तो 1999 में आईपीओ के दौरान एनवीडिया का बाजार मूल्य 1 बिलियन डॉलर से भी कम था। 2007 में यह 10 बिलियन डॉलर पर पहुंचा, जब इसकी जीफोर्स जीपीयू सीरीज ने बाजार में धमाल मचाया। 2024 में कंपनी ने 1 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया और सिर्फ डेढ़ साल में यह पांच गुना बढ़ गया। जुलाई 2025 में एनवीडिया ने 4 ट्रिलियन डॉलर पार किया था और अब अक्टूबर 2025 में 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचकर इतिहास रच दिया है।

एक मैच, जिसने बदला महिला क्रिकेट का इतिहास: जेमिमा का कमाल, कंगारुओं पर धमाकेदार जीत से लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी

मुंबई। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार का दिन भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। भारत ने सात बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में पांच विकेट से हराकर न सिर्फ फाइनल में जगह बनाई, बल्कि एक ऐसा मैच खेला जिसमें रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास, जज्बे और नए युग की पहचान बन गई।

127 से इतिहास लिख गईं 'बेबी' जेमिमा'

17 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स को टीम में कभी श्बेबीश कहा जाता था, लेकिन गुरुवार को वही 'बेबी' भारत की रीढ़ बनकर खड़ी रहीं। उन्होंने 127' रन की नाबाद पारी खेली और भारत को 339 रनों के मुश्किल लक्ष्य तक पहुंचाया। यह सिर्फ उनके करियर की नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में से एक थी।

जेमिमा की पारी ने कई रिकॉर्ड्स तोड़े

वह वर्ल्ड कप नॉकआउट में शतक लगाने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बनीं। इससे पहले 2022 के फाइनल में इंग्लैंड की नैट स्किवर–ब्रंट (148)' ने यह कमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत को झटका

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम, जिसने 2017 के बाद से किसी वर्ल्ड कप मैच में हार नहीं देखी थी, भारत के सामने घुटने टेक गई। उनका 15 मैचों का जीत का सिलसिला (2022द्ध 2025) यहीं खत्म हुआ। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार (2017) भी भारत ने ही ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया था।

ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में रिकॉर्ड

महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया अब तक 6 बार खेल चुकी है, जिनमें से दो बार उसे सिर्फ भारत ने हराया है (2017 और 2025)। भारत अब तीसरी बार महिला वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। पहले दो बार (2005 और 2017) टीम उपविजेता रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य है– ट्रॉफी घर लाना।

भारत का सबसे बड़ा चेज

भारत ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार 200 से ऊपर का लक्ष्य चेज किया। इससे पहले टीम इंडिया कभी भी इतना बड़ा टारगेट नहीं जीत पाई थी। लेकिन इस बार स्क्रिप्ट कुछ और ही थी। 339 रनों का पीछा, वह भी वर्ल्ड कप नॉकआउट में! भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट में 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने का एकमात्र पिछला उदाहरण ब्रिस्टल में 2017 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड–डब्ल्यू बनाम दक्षिण अफ्रीका–डब्ल्यू द्वारा 219 रनों का था। भारत का आज का 341/5 स्कोर महिला वनडे मैच में रनों का पीछा करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है, इससे पहले पिछले महीने दिल्ली में इसी टीम के खिलाफ भारत 369 रनों पर ऑलआउट हो गया था। भारतीय महिलाओं का पिछला सर्वोच्च रनों का पीछा करते हुए 2021 में मैके में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 265 रनों का स्कोर था।

यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि यह पहला मौका था जब किसी वनडे वर्ल्ड कप नॉकआउट (पुरुष या महिला) में 300+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज हुआ। इससे पहले पुरुष वर्ल्ड कप (2015) में न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298 रन का लक्ष्य चेज किया था।

सबसे ज्यादा रन वाले मैचों में दूसरा स्थान

भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह सेमीफाइनल मैच महिला वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट बन गया। दोनों टीमों ने मिलकर 679 रन बनाए।

हरमनप्रीत और जेमिमा की साझेदारी बनी टर्निंग पॉइंट

जब भारत 59/2 पर था, तब मैच ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में लग रहा था, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (89) और जेमिमा ने मिलकर 167 रनों की साझेदारी कर मैच पलट दिया।

यह साझेदारी भारत के महिला वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी पार्टनरशिप में से एक बन गई।

ऑस्ट्रेलिया की मजबूती के बावजूद भारतीय पलटवार

ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फीबी लिचफील्ड (119) और एलिस पेरी (77) की शानदार पारियों की बदौलत 338 रन बनाए, लेकिन भारतीय गेंदबाजों– श्री चरणी और दीप्ति शर्मा (2–2 विकेट) ने बीच के ओवरों में रन रोककर टीम को वापसी कराई। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरे, जिससे 350 के पार जाने का मौका छिन गया।

2017 के सेमीफाइनल में खेली थी नाबाद शतकीय पारी, अब कप्तान के तौर पर भी चमकीं हरमनप्रीत

नवी मुंबई। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इतिहास रचने से एक कदम दूर हैं। भारतीय महिला टीम ने अभी तक कभी भी विश्व कप का खिताब नहीं जीता है और हरमनप्रीत के पास खुद की कप्तानी में ऐसा करने का सुनहरा अवसर है। हरमनप्रीत ने सामने से नेतृत्व करते हुए टीम को फाइनल तक पहुंचाया है। वह पहले भी विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं, लेकिन कप्तान के तौर पर ये टूर्नामेंट जीतना उनके लिए विशेष हो सकता है।

भारत ने रोका गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ

भारतीय महिला टीम ने गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर उसका विजय रथ रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर 338 रन बनाए थे। जवाब में भारत के लिए जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ने 48.3 ओवर में पांच विकेट पर 341 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई थी, लेकिन भारतीय टीम ने एलीस हीली की टीम का विजयी अभियान रोक दिया। भारत का अब रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से सामना होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया था।

ट्रॉफी का सूखा समाप्त करने का मौका

भारतीय टीम तीसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इससे पहले 2005 और 2017 में भी खिताबी मैच में पहुंची थी। भारत ने अब तक कभी विश्व कप की ट्रॉफी नहीं जीती है और अब उसके पास खिताबी सूखा समाप्त करने का अच्छा मौका है। भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया को रोकना आसान नहीं था, लेकिन जेमिमा और हरमनप्रीत ने इसे मुमकिन बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप चरण में भारत को मात दी थी, लेकिन भारत ने उसे सेमीफाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया।

ऑस्ट्रेलिया की हार का फिर कारण बनीं हरमनप्रीत

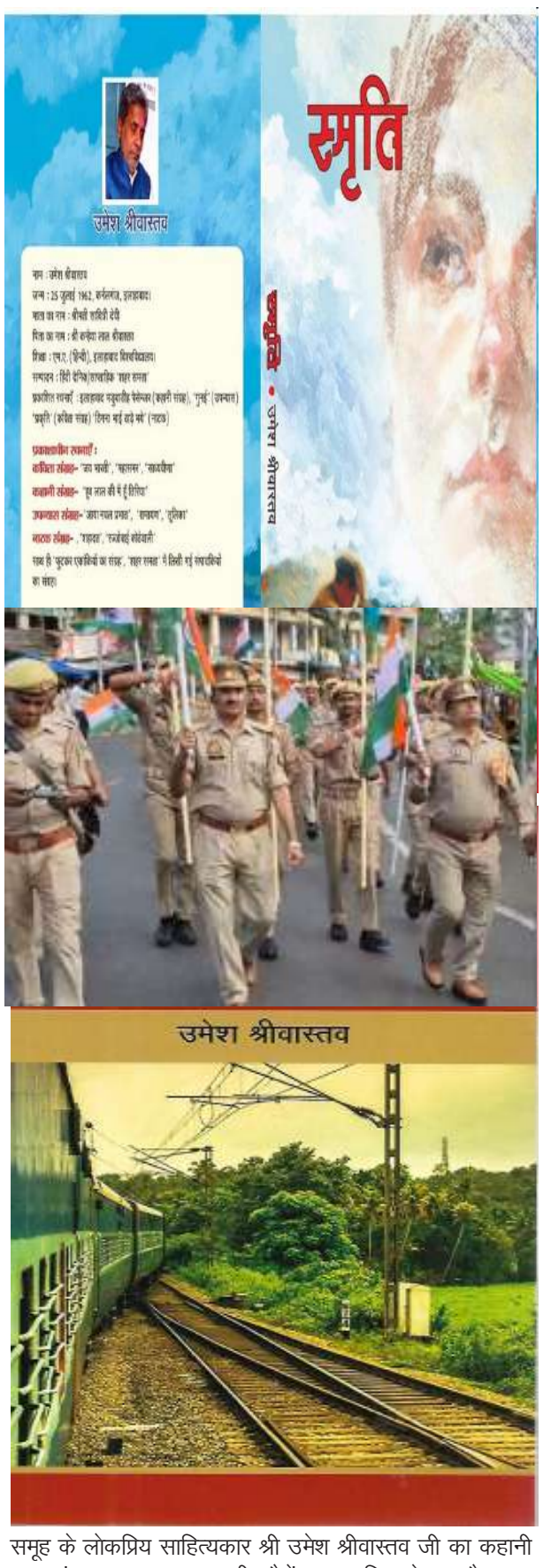

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

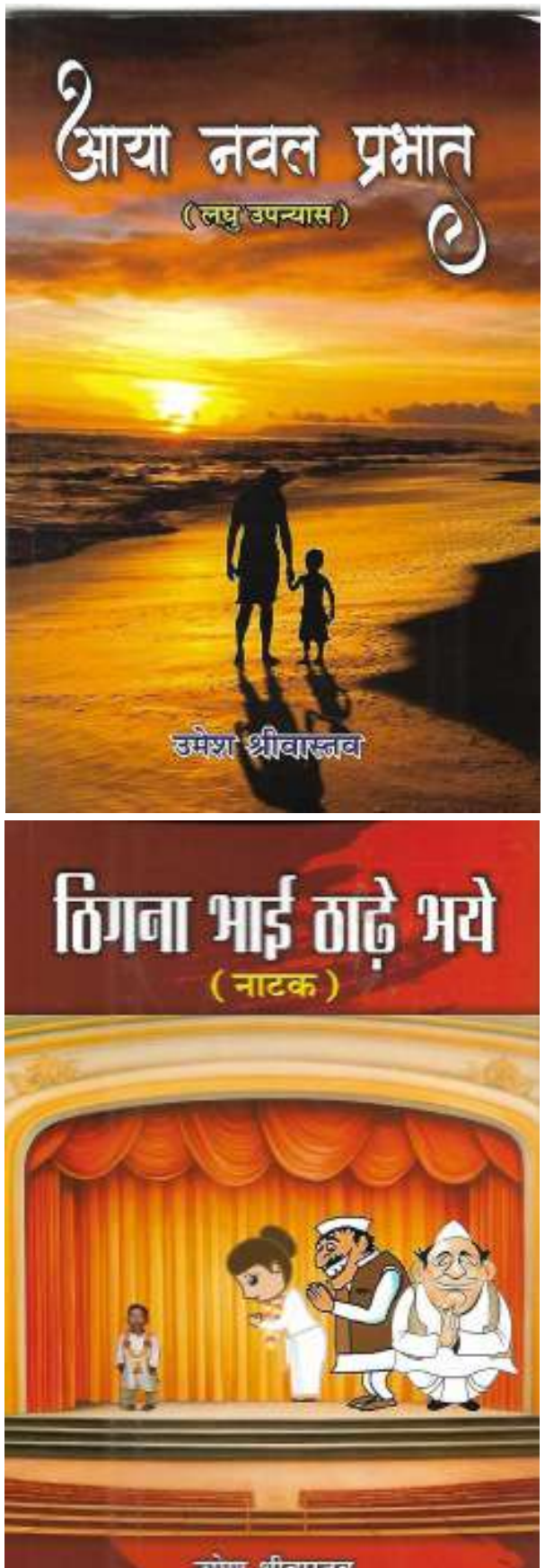

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति को हत्या के जुर्म में 25 साल की कैद

कनाडा की एक अदालत ने 2022 के हत्या के एक मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल कैद की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'सिटी न्यूज़' की एक खबर के अनुसार, ब्रिटिश कोलंबिया के सर्वोच्च न्यायालय की एक जूरी ने मंगलवार को बलराज बसरा को हत्या और आगजनी का दोषी ठहराया। 'सीबीसी' की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, एकीकृत हत्या जांच दल (आईएचआईटी) का कहना है कि बसरा 17 अक्टूबर 2022 को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय की ज़मीन पर स्थित एक गोल्फ क्लब में विशाल वालिया की गोली मारकर हत्या के मामले में दोषी ठहराया जाने वाला तीसरा व्यक्ति है। दो अन्य दोषियों, इकबाल कांग और डी बैपटिस्ट को पहले ही सजा सुनाई जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, कांग को 17 साल की जेल और आगजनी के लिए पांच साल की अतिरिक्त सजा सुनाई गई थी, जबकि बैपटिस्ट को 17 साल तक बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों दोषियों ने 38 वर्षीय विशाल वालिया की गोली मारकर हत्या करने के बाद एक वाहन को आग लगा दी थी। खबर के अनुसार, वैंकूवर पुलिस विभाग (वीपीडी) के अधिकारियों ने तुरंत ही संदिग्धों की पहचान कर ली थी। आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए थे।

फ्लोरिडा में जेटब्लू का बड़ा हादसा टला! विमान की ऊंचाई अचानक गिरी, FAA ने शुरू की जांच

मेक्सिको से आ रही विमानन कंपनी 'जेटब्लू' की एक उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो जाने के कारण उसे फ्लोरिडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा और घायल हुए कई यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। कैनकन से न्यू जर्सी के नेवार्क जा रही उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो गई। संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने एक बयान में कहा कि वह इसकी जांच कर रहा है।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, मेक्सिको के कैनकन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से नेवार्क लिबर्टी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा यह विमान अचानक ऊँचाई गिर जाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए के अनुसार, एयरबस ए320 को अपराह्न करीब दो बजे टाम्पा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मोड़ दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं या उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं। विमान यातायात पर नजर रखने वाले 'लाइवएटीसीडॉटनेट' द्वारा उपलब्ध कराए गए एक रेडियो कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, ''कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं। ऐसा लग रहा है कि शायद उनके सिर में चोट लगी है।'' जेटब्लू के अनुसार, चिकित्सा अधिकारियों ने यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की हवाई अड्डे पर जांच की और उसके बाद कुछ को अस्पताल ले जाया गया। जेटब्लू के एक बयान के अनुसार, ''हमारी टीम ने विमान को सेवा से हटा लिया है ताकि उसका निरीक्षण किया जा सके और हम कारण का पता लगाने के लिए गहन जांच करेंगे। हमारे ग्राहकों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा हमेशा हमारी पहली प्राथमिकता है।

किंग चार्ल्स ने छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी उपाधियां छीनीं, रॉयल लॉज खाली करने का आदेश

ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस ले लिए हैं। साथ ही उन्हें उनके आलीशान आवास 'रॉयल लॉज' खाली करने का निर्देश दिया गया है। यह कार्रवाई एंड्रयू के यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से विवादित संबंधों के कारण की गई है। बकिंघम पैलेस ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में बताया कि एंड्रयू को 'रॉयल लॉज' खाली करने के लिए औपचारिक नोटिस सौंपा गया है। अब उन्हें निजी वैकल्पिक आवास में शिफ्ट किया जाएगा। बता दें कि एप्स्टीन मामले के उजागर होने के बाद से ही प्रिंस एंड्रयू शाही जिम्मेदारियों से दूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किंग चार्ल्स का यह कदम राजपरिवार की छवि को सुरक्षित रखने की दिशा में एक सख्त संदेश है।

यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड पर रूस का हमला, पूरे देश में बिजली गुल

रूस ने रातोंरात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड (ढांचे) पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। इससे देश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सात साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने आरोप लगाया कि कड़ाके की ठंड के मौसम में वह यूक्रेनी लोगों और बिजली आपूर्ति को निशाना बना रहा है। वह बोले, इसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में धकेलना है और हमारा लक्ष्य प्रकाश को बचाना है।

अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटक बचाए गए

भारी बर्फबारी के कारण नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ये सभी पर्यटक पिछले सोमवार रात से हुई लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण ट्रेकिंग रूट बंद होने से फंस गए थे। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और नेपाल पुलिस के जवानों की एक बचाव टीम ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से 4,190 मीटर की ऊंचाई से इन सभी लोगों को सुरक्षित नीचे अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका तक पहुंचाया। अब ये सभी स्थानीय लॉज में ठहरे हुए हैं और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

तुर्की के 'दुश्मन' Cyprus से भारत ने अपनी 'दोस्ती' मजबूत कर शत्रु खेमे की बेचैनी बढ़ा दी है

भारत की विदेश नीति में एक दिलचस्प और रणनीतिक बदलाव देखने को मिल रहा है। पश्चिम एशिया और यूरोप के संधि क्षेत्र में स्थित छोटा–सा देश साइप्रस, जो दशकों से तुर्की के साथ विवाद में उलझा है, आज भारत के नए सामरिक मित्र के रूप में उभर रहा है। यह मित्रता केवल राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस बहुध्रुवीय विश्व की दिशा का प्रतीक है जिसमें भारत एक निर्णायक आवाज़ के रूप में सामने आ रहा है। साइप्रस के विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 2025–2029 के भारत–साइप्रस एक्शन प्लान की प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे "विश्वसनीय मित्रता" बताते हुए कहा कि "भारत और साइप्रस भरोसेमंद साझेदार हैं कृ यह संबंध समय और विश्वास की कसौटी पर खरा उतरा है।" जयशंकर ने साइप्रस को भारत के "स्थायी सहयोगी" के रूप में सराहा और आतंकवाद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता और न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (छैळ) में भारत की सदस्यता को लेकर साइप्रस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दूसरी ओर, कोम्बोस ने कहा कि "भारत एक वैश्विक महाशक्ति है और हम इसे न केवल पुराने मित्र के रूप में बल्कि भविष्य के साझेदार के रूप में देखते हैं।" यह बयान महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति–संतुलन की नई भाषा है। हम आपको बता दें कि साइप्रस भूमध्य सागर के पूर्वी छोर पर स्थित हैकृ यूरोप, एशिया और अफ्रीका के संगम बिंदु पर। यह वही समुद्री गलियारा है जो भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) के संभावित मार्ग का हिस्सा बन सकता है। साइप्रस न केवल यूरोपीय संघ का सदस्य है, बल्कि 2026 में वह यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता भी संभालेगा। ऐसे में उसका भारत के साथ घनिष्ठ संबंध भारत–ईयू संबंधों को नई गति दे सकता है। भारत और साइप्रस के बीच ऊर्जा, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग के नए अवसर खुल रहे हैं। भूमध्य सागर में साइप्रस का भौगोलिक स्थान भारत के लिए पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच एक सामरिक गेटवे बन सकता है। वहीं साइप्रस के लिए भारत, एक भरोसेमंद एशियाई साझेदार है जो उसे तुर्की के बढ़ते दबाव के बीच संतुलन और सुरक्षा का

राजनीतिक सहारा देता है। हम आपको यह भी बता दें कि साइप्रस और तुर्की के बीच दशकों पुराना विवादकृ जिसे साइप्रस संकट कहा जाता है, आज भी यूरोप की राजनीति का दर्द बना हुआ है। तुर्की ने 1974 में साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर कब्ज़ा किया था और वहां एक अलग "तुर्की गणराज्य उत्तरी साइप्रस" की स्थापना की, जिसे विश्व समुदाय ने कभी मान्यता नहीं दी। भारत ने हमेशा साइप्रस की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया है कृ यह नीति आज भी कायम है। वहीं तुर्की, पाकिस्तान का घनिष्ठ मित्र और कश्मीर मुद्दे पर भारत का मुखर विरोधी रहा है। इस पृष्ठभूमि में, भारत और साइप्रस की साझेदारी एक सूक्ष्म रणनीतिक सन्देश देती है कि यह केवल एक छोटे यूरोपीय देश से दोस्ती नहीं, बल्कि तुर्की के विस्तारवादी रुख के प्रति एक वैकल्पिक शक्ति–संतुलन का निर्माण है। भारत तुर्की के इस्लामी राष्ट्रवादी एजेंडे को संतुलित करने के लिए अब ग्रीस, फ्रांस, इज़रायल और साइप्रस के साथ एक अनौपचारिक "भूमध्य धुरी" बना रहा है। यह धुरी भारतीय हितों के लिए पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच एक स्थिर सेतु का काम करेगी। हम आपको बता दें कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (म्न–प्दकपं थ्ज।) पर बातचीत अंतिम चरण में है। साइप्रस इस समझौते को लेकर भारत के सबसे प्रबल समर्थकों में है। अगर यह समझौता 2025 तक पूरा होता है, तो यह भारत को यूरोप के बाजारों तक तेज़ और सुलभ पहुँच देगा, जबकि साइप्रस को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। साइप्रस के पास समुद्री परिवहन, जहाज–रजिस्ट्रेशन, वित्तीय सेवाओं और ऑफशोर ऊर्जा अन्वेषण की क्षमता है। भारत इन क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी सहयोग के माध्यम से भूमध्य सागर में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर सकता है। इसके सामरिक अर्थ भी गहरे हैं। भारत पहले ही प्डम्ब (प्दकपं–डपककसम म्ंज–म्नतवचम म्बवदवउपब ब्वततपकवत) में प्रमुख भूमिका निभा रहा है, जो चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (ठत्प्) का विकल्प माना जा रहा है। साइप्रस इस परियोजना के यूरोपीय छोर के रूप में भारत के लिए स्ट्रैटेजिक डॉमिनो पॉइंट बन सकता हैकृ जिससे हिंद महासागर से लेकर भूमध्य सागर तक भारत की आर्थिक और सुरक्षा पहुँच सुनिश्चित होगी। देखा जाये तो विश्व अब एक नए बहुध्रुवीय युग में प्रवेश कर चुका है, जहाँ शक्ति एकध्रुवीय (अमेरिका) या द्विध्रुवीय (अमेरिका–चीन) नहीं रही। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के बीच नए गठबंधन बन रहे हैं। ऐसे में भारत और साइप्रस की मित्रता उस वैचारिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है जो विभाजन नहीं, सहयोग में विश्वास रखता है। भारत के लिए साइप्रस का समर्थन संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक नैतिक पूँजी है। वहीं साइप्रस, भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका के सहारे अपनी भू–राजनीतिक हैसियत मजबूत कर सकता है। इस प्रकार, यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि यूरोप–भारत–भूमध्य सागर की सामरिक त्रिकोणीय व्यवस्था की बुनियाद रखती है। बहरहाल, भारत की विदेश नीति अब केवल "गुटनिरपेक्षता" नहीं, बल्कि "गुटनिर्माण" की दिशा में बढ़ रही हैकृ अपने हितों के अनुसार नए गठबंधन गढ़ने की नीति। साइप्रस के साथ गहराते संबंध इसी प्रवृत्ति का उदाहरण हैं। यह मित्रता न तो तुर्की विरोध की प्रतिक्रिया है, न ही पश्चिम की नकल; यह भारत की स्वतंत्र और आत्मनिर्भर विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है। जैसे–जैसे साइप्रस 2026 में यूरोपीय संघ का नेतृत्व करेगा, भारत के लिए यह मित्रता पश्चिमी मंचों पर उसकी आवाज़ को और प्रभावी बनाएगी। भूमध्य सागर से लेकर हिंद महासागर तक, भारत अब केवल व्यापार का भागीदार नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

सीजफायर के लिए सहमत हुए पाकिस्तान–अफगानिस्तान, तुर्किए ने किया एलान

तुर्की ने बताया कि पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान अपने बीच अब तक के सबसे भीषण सीमा संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से इस्तांबुल में वार्ता के बाद अंततः युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष युद्धविराम के कार्यान्वयन के तौर–तरीकों पर आगे चर्चा करने के लिए 6 नवंबर को इस्तांबुल में एक और बैठक करेंगे। बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तुर्की और कतर ने 25–30 अक्टूबर 2025 तक इस्तांबुल में बैठकें कीं, जिसका उद्देश्य युद्ध विराम को मजबूत करना था, जिस पर अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने 18–19 अक्टूबर 2025 को दोहा में तुर्की और कतर की मध्यस्थता से सहमति व्यक्त की थी। बयान के अनुसार,

अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान शांति बनाए रखने और उल्लंघन करने वाले पक्ष पर जुर्माना लगाने को सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी और सत्यापन तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। इसमें कहा गया है कि तुर्की और कतर दोनों ने दोनों पक्षों के सक्रिय योगदान की सराहना की है और स्थायी शांति और स्थिरता के लिए दोनों पक्षों के साथ सहयोग जारी रखने के लिए तैयार हैं। अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार ने युद्धविराम समझौते की पुष्टि करते हुए कहा है कि दोनों पक्ष आगे भी बैठकें करते रहेंगे। एक बयान में तालिबान के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफ़ग़ानिस्तान आपसी सम्मान और गैर–हस्तक्षेप के आधार पर पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध चाहता है। हालाँकि, पाकिस्तान ने अभी तक युद्धविराम समझौते पर कोई प्रतिक्रिया या बयान जारी नहीं किया है। पाकिस्तान द्वारा अफ़ग़ानिस्तान में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले किए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच सीमा पर झड़पें शुरू हो गई थीं। पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाता है, हालाँकि अफ़ग़ानिस्तान इस आरोप का लगातार खंडन करता रहा है। इन झड़पों में कई लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं, जिसके कारण कतर और तुर्की को हस्तक्षेप करना पड़ा है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में दोहा में हुई बातचीत के बाद दोनों पक्ष युद्धविराम पर सहमत हुए थे, लेकिन यह समझौता विफल रहा।

इस्राइल ने सौंपे 30 फलस्तीनियों के शव, हमास के कब्जे में अभी भी 11 के अवशेष; तनाव बरकरार

यरूशलम। इस्राइल और हमास के बीच पहले चरण के शांति समझौते के बीच बंधकों और कैदियों की अदला–बदली जारी है, हालांकि इसमें भी तनाव की स्थिति बरकरार है। अब शांति समझौते का पालन करते हुए गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस्राइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप

दिए हैं। शुक्रवार को यह हस्तांतरण ऐसे समय में हुआ है, जब एक दिन पहले ही गाजा में हमास ने दो बंधकों के अवशेष इस्राइल को सौंप थे। इस्राइली सेना ने गुरुवार को बताया था कि हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को मृत बंधकों के अवशेषों से भरे दो ताबूत सौंपे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए इस युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइली और हमास के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है।

इस्राइल के दो शवों की हुई पहचान

गुरुवार (30 अक्तूबर) को इस्राइली सेना ने कहा कि अवशेषों के दो सेट गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए, फिर सैनिक उनको इस्राइल लेकर गए, जहां से पहचान के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा संस्थान ले जाया गया। वहीं इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार देर रात कहा कि इन अवशेषों की पुष्टि सहर बारूक और अमीरम कूपर के रूप में हुई है, दोनों को 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान बंधक बना लिया गया था, जिसके बाद युद्ध छिड़ गया था। युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने अब तक 17 बंधकों के अवशेष लौटा दिए हैं, जबकि 11 अन्य अभी भी गाजा में हैं और समझौते की शर्तों के तहत उन्हें सौंप दिया जाएगा। हालांकि इस्राइल ने इस बीच गलत शव के अवशेष लौटेने का भी हमास पर आरोप लगाया था।

जानिए कौन थे दोनों लोग?

बता दें कि सहर बारूक (25), जो किबुत्ज बेरी से अगवा किए गए थे, वो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने वाले थे। उनके भाई इदान की हमले में मौत हो गई थी। तीन महीने बाद इस्राइली सेना ने घोषणा की थी कि सहर एक असफल बचाव अभियान में मारे गए, जबकि अमीरम कूपर, एक अर्थशास्त्री और किब्बुत्ज़ निर ओज के संस्थापकों में से एक थे। उन्हें उनकी पत्नी नूरित के साथ अगवा किया गया था। नूरित को 17 दिन बाद रिहा कर दिया गया था, जबकि जून 2024 में अधिकारियों ने पुष्टि की कि अमीरम कूपर की गाजा में हत्या कर दी गई थी। उनकी उम्र 84 साल थी।

गाजा में शवों की पहचान में हो रही दिक्कत

इधर, इस्राइल ने 195 फलस्तीनियों के शव गाजा के अधिकारियों को उनकी पहचान का विवरण दिए बिना लौटा दिए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वे 7 अक्तूबर के हमले के दौरान इस्राइल में मारे गए थे, इस्राइली हिरासत में बंदी के रूप में मरे थे या युद्ध के दौरान सैनिकों द्वारा गाजा से बरामद किए गए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों को डीएनए किट उपलब्ध ना होने के कारण शवों की पहचान करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

तालिबान की ताकत देख असीम मुनीर ने की शांति की अपील, पाक–अफगान वार्ता का दूसरा दौर 6 नवंबर को

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर का आयोजन नवंबर के पहले सप्ताह में किया जायेगा लेकिन उससे पहले दोनों ओर से भड़काऊ बयानबाजी का दौर जारी है। लेकिन इस सबके बीच एक जोरदार परिदृश्य यह उभर कर आया है कि तालिबान की शक्ति को देखकर पाकिस्तानी सेना का हौसला पस्त पड़ गया है और इसीलिये पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हाथ जोड़ कर शांति की अपील कर रहे हैं। मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ शांति चाहता है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद की अनुमति नहीं देगा। मुनीर ने यह टिप्पणी पेशावर में कबायली वरिष्ठ नागरिकों की 'जिरगा' (परिषद) से संवाद के दौरान की। सेना मुख्यालय के अनुसार, उन्हें पाकिस्तान–अफगान सीमा की सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद–रोधी अभियानों और खैबर पख्तूनख्वा में जारी संघर्ष की जानकारी दी गई। मुनीर ने अफगान तालिबान के साथ हालिया तनाव के दौरान सुरक्षा बलों को मिले स्थानीय समर्थन की सराहना की और कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों और उनके समर्थकों से देश को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हम अफगानिस्तान समेत सभी पड़ोसियों से शांति चाहते हैं, लेकिन किसी भी पड़ोसी देश की जमीन से पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए।" मुनीर ने यह भी बताया कि अफगानिस्तान से सीमा पार हमले जारी रहने के बावजूद पाकिस्तान ने धैर्य रखा है और काबुल को कई कूटनीतिक तथा आर्थिक प्रस्ताव दिए हैं। इस बीच, तुर्की के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 6 नवम्बर को इस्तांबुल में शांति वार्ता का नया दौर आयोजित होगा। उधर, दोनों देशों ने तब तक के लिए संघर्षविराम बनाए रखने पर सहमति जताई है। दूसरी ओर, तालिबान के गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने पाकिस्तान पर "युद्ध से खेलने" का आरोप लगाते हुए कहा कि "अफगान लोग युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अपनी धरती की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है।"

वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी कि "अगर पाकिस्तान में कोई आतंकी हमला हुआ तो परिणाम बहुत कड़वे होंगे।" इन सब बयानों पर गौर करें और खासकर पेशावर की जिरगा में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का "शांति संदेश" सुनें तो इसमें पाकिस्तान की वह पुरानी दोहरी नीति साफ दिखाई देगी, जहाँ जुबान पर अमन और हाथ में बारूद होता है।

जब मुनीर कहते हैं कि "हम सीमा पार आतंकवाद नहीं सहेंगे", तो यह सवाल उठता है कि क्या अब पाकिस्तान को अपने ही बनाए आतंक के दलदल में डूबने का एहसास हो गया है?

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।